संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -24 सोमवार ,25 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल अरेस्ट फॉड पर फिर किया आगाह

नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात

कार्यक्रम के 116वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं से एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) में शामिल होने का आग्रह किया और डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के खतरों पर एक बार फिर लोगों को चेताया।

कैलाश मकवाना होंगे मध्यप्रदेश के नए डीजीपी

भोपाल,24 नवम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना को प्रदेश का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। वर्तमान डीजीपी सुधीर सक्सेना 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर जाते ही गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया।

सीएम और डिप्टी सीएम के चुनाव में नया फार्मूला

- महाराष्ट्र में महायुति का सीएम, 2 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला...
- फडणवीस-शिंदे-अजित एक साथ दिल्ली जाएंगे...
- हेमंत सोरेन 28 नवंबर को झारखंड सीएम की शपथ लेंगे...

मुंबई,24 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद अब साफ हो गया है कि राज्य में महायुति की सरकार बनेगी। महायुति से सीएम पद के उम्मीदवार की अभी तक घोषणा नहीं हुई है।

विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है, इसलिए इससे पहले सरकार गठित होनी है। ऐसा न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। सरकार का चेहरा यानी मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार रविवार शाम को दिल्ली रवाना हुए। भाजपा आलाकमान के साथ मीटिंग के बाद सीएम के नाम का ऐलान हो सकता है।

1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय हुआ है। महायुति की पार्टियों में हर 6-7 विधायक पर एक मंत्री पद का फॉर्मूला भी फाइनल हुआ है। इस हिसाब से भाजपा के 22-24, शिंदे गुट के10-12 और अजित गुट के 8-10 विधायक मंत्री बन सकते हैं।

सीएम के नाम के ऐलान के बाद कल मुंबई, राजभवन में शपथग्रहण समारोह हो सकता है। सीएम शिंदे ने जीत के बाद कहा था कि चुनाव के पहले तय नहीं था कि जिसकी ज्यादा सीटें होंगी, उसका ही सीएम बनेगा।

इस चुनाव में मुकाबला 6 बड़ी पार्टियों के दो गठबंधन में था। महायुति में भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं, जबकि महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार)।

149 सीटों पर लड़ने वाली भाजपा ने सबसे ज्यादा 132 सीटें जीती हैं। गठबंधन ने 288 सीटों में से रिकॉर्ड 230 सीटें जीतीं। भाजपा का स्ट्राइक रेट 88त्न रहा। कांग्रेस नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी को 46 सीटें मिलीं।

दूसरी तरफ झारखंड में रविवार को हेमंत सोरेन ने राजभवन जाकर सीएम पद से इस्तीफा दिया और नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्य गठन के बाद यह पहली बार जब सरकार रिपीट हुई है। मीडिया से बातचीत में सोरेन ने बताया- शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को सुबह 11:30 बजे होगाकेंद्रीय मंत्री और आरपीए अध्यक्ष रामदास अठावले ने रविवार को कहा- जब एकनाथ शिंदे की पार्टी सत्ता में आई थी तो हमें मंत्री पद का वादा किया गया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बार महायुति को दलित और बौद्ध समुदाय से भारी वोट मिले हैं, इसलिए मैं मांग करता हूं कि आरपीआई को कम से कम एक मंत्री पद और एक एमएलए मिलना चाहिए।

संजय राउत बोले...गुजरात के मोदी स्टेडियम में शपथ ग्रहण होना चाहिए...

संजय राउत ने कहा- हम निराश नहीं हैं, हम लड़ने वाले लोग हैं। हम बालासाहेब ठाकरे के शिवसैनिक हैं। बालासाहेब ठाकरे ने अपने जीवन में कई हार-जीत भी देखी हैं। हमें दुख नहीं है कि हमने सत्ता खो दी, हम लड़ेंगे।महाराष्ट्र की जनता दुखी है, खुश नहीं, कहां है जश्न? बीजेपी दफ्तर या एकनाथ शिंदे के आवास पर जरूर कुछ हुआ होगा, लेकिन जो नतीजे आए हैं, उससे लोग अब भी हैरान हैं कि ये कैसे हो गया। यह सरकार गुजरात लॉबी द्वारा, व्यापारियों के संगठन द्वारा लाई गई है। इसलिए शपथ ग्रहण समारोह गुजरात के मोदी स्टेडियम में होना चाहिए। अगर शिवाजी पार्क में ऐसा किया गया तो यह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान होगा। अगर आप वानखेड़े स्टेडियम में ऐसा करेंगे तो सामने शहीदों का स्मारक है, उनका अपमान होगा। इसलिए सबसे अच्छी जगह गुजरात का नरेंद्र मोदी स्टेडियम है।

एनसीपी की मीटिंग में अजित पवार विधायक दल के नेता चुने गए

एनसीपीअजित गुट की मुंबई के देवगिरी बंगले में विधायक दल की मीटिंग हुई। इसमें अजित पवार को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है।महायुति के 10 विधायक कोल्हापुर से मुंबई के लिए रविवार सुबह रवाना हुए। तीनों पार्टियों के विधायक अपनी-अपनी पार्टी के विधायक दल की मीटिंग में शामिल होंगे।

महाराष्ट्र रिजल्ट पर शरद की पहली प्रतिक्रिया, बोले- योगी के नारे से ध्रुवीकरण हुआ

महाराष्ट्र के नतीजों पर एनसीपी मुखिया शरद पवार ने कराड में प्रेस कांफ्रेंस कर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- योगी आदित्यनाथ के दिए नारे (बंटेंगे तो कटेंगे) के चलते ध्रुवीकरण हुआ। जो हमें छोड़कर गए, उन्हें सफलता मिली। मराठा-ओबीसी वोट हमें नहीं मिला इस पर चिंतन करेंगे।

अजित पवार को ज्यादा सीटें मिलने पर शरद बोले- इसे स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है। यह जनता का निर्णय है, इसका आकलन करेंगे। हम घर नहीं बैठेंगे, आगे का चुनाव और बेहतर तैयारी से लड़ेंगे। बारामती से युगेंद्र को उतारने पर शरद ने कहा- किसी को तो चुनावी मैदान में उतारना था। युगेन्द्र को उतारने का फैसला गलत नहीं था। अजित और युगेंद्र कि तुलना नहीं हो सकती। वहीं, ईव्हीएम के सवाल पर बोले- आधिकारिक जानकारी के बगैर इस पर कुछ नही बोलूंगा। भाजपा के पास काफी बड़ा आंकड़ा है। जो वादे किए गए थे, लोग अब उसके पूरे होने का इंतजार कर रहे हैं। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- इस बार नेता विपक्ष नहीं होगा। यह कांग्रेस और विपक्ष के गलत कामों का नतीजा है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में फर्जी बातें फैलाई और धोखा दिया। वोटर्स को विधानसभा चुनावों में इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने विपक्ष को बाहर कर दिया।

जीत का जश्न मनाने के दौरान निर्दलीय विधायक झुलसे

महाराष्ट्र के चंदगढ़ विधानसभा सीट से जीतने वाले निर्दलीय उम्मीदवार शिवाजी पाटिल रविवार रात को अपनी जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान जुलूस में आग लग गई, जिसमें शिवाजी पाटिल घायल हो गए। कुछ महिलाएं भी घायल हो गई हैं।

संभल में मचा बवाल,इंटरनेट सेवा बंद

- 3 युवकों की मौत के बाद लिया फैसला

संभल,24 नवम्बर 2024 (ए)। यूपी के संभल में बवाल, पथराव, आगजनी और फायरिंग में तीन युवकों की मौत के बाद शहर में इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश पर रविवार को कोर्ट कमिश्नर की टीम शाही जामा मस्जिद में दूसरी बार सर्वे को पहुंची तो बवाल हो गया। उपद्रवियों ने पहले जामा मस्जिद के बाहर और फिर नखासा इलाके में पुलिस पर जमकर पथराव किया। उन्होंने दोनों स्थानों पर कम से कम एक दर्जन वाहनों को आग लगा दी और फायरिंग की। इस दौरान एसपी के पीआरओ, सीओ और कोतवाल समेत दर्जनभर पुलिसकर्मी घायल हो गए।

उधर, बार-बार समझाने के बाद भी भीड़ के शांत न होने पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर लाठीचार्ज कर दिया। कई राउंड हवाई फायरिंग भी की। करीब ढाई घंटे चली हिंसा के दौरान भीड़ में शामिल तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद अफवाहों को रोकने के लिए संभल शहर में इंटरनेट बंद करने का फैसला किया गया। पुलिस ने दो महिलाओं 15 लोगों को हिरासत में लिया है। उधर, जामा मस्जिद के बाहर बवाल के दौरान ही पुलिस ने भारी सुरक्षा के बीच सर्वे टीम को जैसे-तैसे सुरक्षित बाहर निकाला।

रविवार को कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव के साथ वादी अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया, एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस बल के साथ दोबारा सर्वे करने शाही जामा मस्जिद पहुंचे थे। करीब 7.30 बजे सर्वे शुरू हुआ। सर्वे के दौरान मस्जिद के पीछे गलियों व सड़कों पर मुस्लिम समाज के लोग जुटने लगे। माहौल को देखते हुए पहले एसपी केके विश्नोई और बाद में डीएम डा. पैंसिया मस्जिद से निकलकर पुलिस बल के साथ लोगों को समझाते रहे लेकिन लोग नहीं माने। इस बीच मस्जिद के पीछे गली में उग्र भीड़ को काबू में करने के लिए जब पुलिस ने पहली लाठी भांजी तो ये हजारों की भीड़ के लिए चिंगारी साबित हुआ।

गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पहले से पुलिस वाले जान बचाकर भागे लेकिन फिर पलटवार करते हुए लाठी चार्ज कर दिया। इसके बाद तो भीड़ और उग्र हो गई और दोनों ओर से पुलिस को घेरकर पथराव करने लगी। उन्होंने कई बार पुलिस को पीछे हटने पर मजबूर किया। मौके का फायदा उठाकर उग्र भीड़ ने मस्जिद के पीछे खड़ी दो कार, चार बाइकों में एक-एक कर आग लगा दी। इसके साथ ही आधा दर्जन से अधिक प्रशासन, स्थानीय लोगों के वाहनों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालात बिगड़ता देख मस्जिद से उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश देना पड़ा। इसके बाद उपद्रवियों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग से भीड़ तितर-बितर हो गई। कार्रवाई के दौरान एक उपद्रवी की मौत हो गई। तब तक डीआईजी मुनिराज जी भी पहुंच गए। जिसके बाद डीआईजी, डीएम व एसपी ने गलियों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक-एक कर 15 उपद्रवियों को पकड़कर कोतवाली भेजा।

संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसम्बर तक

- वक्फ संशोधन विधेयक होगा पेश...
- सर्वदलीय बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा...

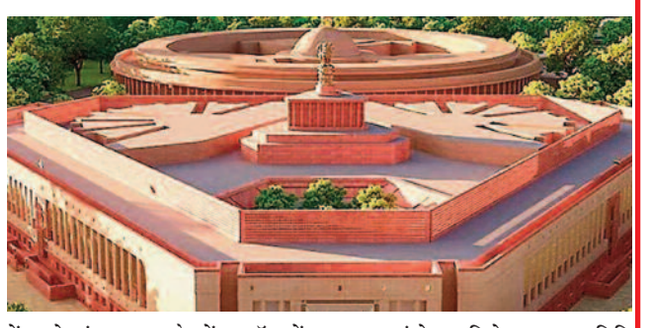

नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2024 (ए)। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित होगा। सत्र से पहले केंद्र सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक 24 नवंबर को सुबह 11 बजे संसदीय सौध के मुख्य समिति कक्ष में होगी, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक चिंताओं, क्षेत्रीय मामलों और मणिपुर हिंसा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की संभावना है।

सरकार इस बैठक के माध्यम से विपक्ष को अपने विधायी एजेंडे से अवगत कराएगी और संसद के दोनों सदनों में सहयोग मांगेगी। इस बार, संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।मोदी सरकार ने सत्र के दौरान पांच नए विधेयकों सहित कुल 15 विधेयक पेश करने की योजना बनाई है। इन विधेयकों में सहकारी विश्वविद्यालय स्थापित करने और वक्फ संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं। मानसून सत्र के दौरान पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया था, जिसकी रिपोर्ट शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंत तक आने की संभावना है।जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर समिति की रिपोर्ट तैयार है और इस पर सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है, ताकि विधेयक के प्रावधानों का गहन अध्ययन किया जा सके। विपक्ष और मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के प्रस्तावित संशोधनों पर आपत्ति जताई है। समिति ने इस पर 25 बैठकें आयोजित कीं और मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ 29 घंटे चर्चा की। अब समिति की रिपोर्ट पर लोकसभा अध्यक्ष का फैसला अंतिम होगा।

जिस सड़क पर निकल रहा था पत्नी का विजय जुलूस,वहीं सब्जी बेच रहे थे सांसद पति

गुवाहाटी,24 नवम्बर 2024 (ए)। असम की पांच सीटों पर हुए उपुचनाव में सत्ताधारी बीजेपी और उसके सहयोगियों ने शानदार जीत दर्ज की है। एनडीए उम्मीदवारों ने सभी पांच विधानसभा सीटों पर बड़े अंतर से ये जीत हासिल की है लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में एनडीए समर्थित प्रत्याशी दीप्तिमयी चौधरी की हो रही है।बोगाईगांव सीट से एनडीए गठबंधन की उम्मीदवार और असम गण परिषद के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी।दीप्तिमोय चौधरी ने 'बोंगाईगांव विधानसभा सीट' पर हुए उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की है. पार्टी की प्रत्याशी दीप्तिमयी चौधरी ने कांग्रेस उम्मीदवार ब्रजेंजीत सिंह को 35164 वोटों के भारी अंतर से हराया है।जब जीत की खुशी से पार्टी के समर्थक, शहर में विजय जुलूस निकाल रहे थे तब दीप्तिमयी चौधरी के पति और बरपेटा सीट से लोकसभा सांसद फनी भूषण चौधरी सब्जी बेचते हुए नजर आए.

फनी भूषण चौधरी सड़क पर बेच रहे थे सब्जी

दरअसल फनी भूषण चौधरी रास्ते में अपनी पत्नी के विजय जुलूस का इंतजार कर रहे थे. ठीक वहीं एक सब्जी बेचने वाला मौजूद था, फिर क्या था सांसद उस सब्जी वाले की जगह पर बैठ गए और उसकी सब्जी बेचने लगे.यह नजारा देख आसपास भीड़ और बढ़ गई और वहां पर सभी सांसद के इस जेस्चर की तारीफ करने लगे। इस दौरान वहां पहुंची एक महिला सांसद से सब्जी खरीदती हुई नजर आई। सांसद फनी भूषण चौधरी विक्रेता की तरह सब्जी बेचते नजर आए।एक तरफ पत्नी की जीत का जश्न और दूसरी तरफ सांसद पति का सब्जी बेचने का यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

गूगल मैप के भरोसे चलना जानलेवा साबित हुआ,3 युवकों की मौत

- अधूरे पुल से नदी में गिरी कार...

बरेली,24 नवम्बर 2024 (ए)। बरेली में जीएसपी की गलत लोकेशन के कारण कार नदी में गिर गई। दो सगे भाइयों समेत 3 युवकों की मौत हो गई। गूगल मैप लगा कर युवक कार से फर्रुखाबाद जा रहे थे। लोकेशन के अनुसार चल रहे युवक निर्माणाधीन पुल पर पहुंच गए, कोहरे के कारण पुल समझ में नहीं आया और कार रामगंगा नदी में गिर गई। हादसा फरीदपुर थाना क्षेत्र के खल्लपुर दातागंज क्षेत्र में हुआ। ग्रामीणों ने नदी में कार देखकर पुलिस को फोन किया। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को नदी से बाहर निकाला।

तो कार में शव फंसे थे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि कार में फर्रुखाबाद की लोकेशन लगी थी। शायद मैप गलत डायरेक्शन में ले गया। उनके परिजनों को जानकारी दे दी गई है। कार जब राम गंगा में गिरी तो तेज आवाज हुई। ऐसे में वहां खेतों में मौजूद लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और उन्होंने गंगा में कार को डूबते देखा। पुलिस को फोन किया। मौके पर पुलिस क्रेन के साथ पहुंची। स्थानीय लोगों की

मदद से पुलिस ने सभी को बाहर निकाला। जब तक पुलिस ने कार सवारों को बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

सीओ आशुतोष शिवम ने बताया मरने वालों में दो सगे भाई अमित और विवेक निवासी गांव इमादपुर जिला फर्रुखाबाद के रहने वाले हैं। तीसरे युवक की पहचान कौशल के रूप में हुई। यह लोग वैगनआर कार में थे। तीनों युवक बदायूं की ओर से फर्रुखाबाद जा रहे थे। लोगों का कहना है कि सेतु निगम की लापरवाही से तीनों युवकों की मौत हुई है। जब पुल निर्माणाधीन था तो वहां पर बैरिकेटिंग क्यों नहीं की गई? अगर वहां पर बैरिकेडिंग की जाती तो इस दर्दनाक हादसे को होने से रोका जा सकता था। ऐसे में सेतु निगम और जिला प्रशासन की बड़ी लापरवाही ने आज तीन युवकों की जान ले ली है। कार सवारों के पास से मिले आइडी कार्ड से भाइयों की शिनाख्त हुई। आईडी कार्ड से पता चला कि यह लोग किसी सिक्योरिटी एजेंसी के लिए काम करते थे। सीओ फरीदपुर ने बताया कि तीनों युवक कार में जीपीएस लगा रखा था। जिसमें फर्रुखाबाद की लोकेशन लगी हुई थी। वह कोहरे में जीपीएस को फॉलो करते हुए जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार खल्लपुर में निर्माणाधीन पुल पर चढ़ गई। बताया जा रहा है ये हादसा जीपीएस नेविगेशन के चलते हुआ है। बाढ़ के चलते पुल का अगला हिस्सा नदी में बह गया था। उसी का निर्माण कार्य चल रहा है। पुल अधूरा था, यहां वाहन ने गुजरें इसके लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए थे। बताया जाता है कि वहां कोई चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगा हुआ था। न ही वहां बैरिकेड किया गया था।

अब मोबाइल कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर मैप पब्लिश करना होगा

नई दिल्ली,24 नवम्बर 2024 (ए)। देश में केंद्र सरकार लगातार अपग्रेडेशन के साथ मोबाइल कंपनियों पर सख्ती कर रही है, जिससे ग्राहकों को सुविधाएं यूज करने में आसानी हो। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने सभी टेलीकॉम कंपनियों को एक नया आदेश जारी किया है। इसके अनुसार सभी कंपनियां अपनी वेबसाइट पर एक मैप पब्लिश करें और इसमें बताएं कि कहां पर उनका नेटवर्क उपलब्ध है। साथ ही ये भी कंपनियां मैप की मदद से बताएं कि कहां पर वायरलेस सर्विस या ब्रॉडबैंड सर्विस उपलब्ध है। क्योंकि इसकी मदद से यूजर के लिए समझना आसान हो जाएगा कि किस इलाके में ये सर्विस उपलब्ध है और इसका इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है।ट्राई के अनुसार क्वालिटी ऑफ सर्विस के अंतर्गत आता है। टेलीकॉम सर्विस को बेहतर बनाने के लिए कंपनियों की तरफ से ये फैसले लिए जा रहे हैं। मोबाइल यूजर्स के लिए इसकी मदद से टेलीकॉम को लेकर फैसले लेने भी आसान होने वाले हैं। ट्राई ने कह कि मोबाइल नेटवर्क कवरेज की जानकारी होना अनिवार्य है।

जगद्गुरु कृपालु महाराज की बेटियों की कार का एक्सीडेंट

नोएडा,24 नवम्बर 2024 (ए)। जगद्गुरु कृपालु महाराज, भक्ति धाम मनगढ़ कुंडा और प्रेम मंदिर वृंदावन के संस्थापक, की बेटियों की कार रविवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। तीनों बहनें सिंगापुर जाने के लिए जेवर एयरपोर्ट की ओर जा रही थीं, जब उनकी कार एक डंपर से टकरा गई। इस हादसे में कृपालु जी की बड़ी बेटी, 65 वर्षीय डॉ. विशाखा त्रिपाठी का दुखद निधन हो गया। उनकी दो छोटी बहनें, डॉ. श्यामा त्रिपाठी और डॉ. कृष्णा त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संपादकीय

कानून का उल्लंघन,कंपनियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

देश के कानून का उल्लंघन करने वाली कंपनी को अवश्य ही दंडित किया जाना चाहिए। बहरहाल, ऐसे कदम उठाते समय जांच एजेंसियों को यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि वे ना सिर्फ निष्पक्ष रहें, बल्कि निष्पक्ष दिखें भी।ई-कॉमर्स क्षेत्र की फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसी कंपनियों ने भारतीय कानून को तोड़ा हो,तो बेशक उन पर प्रावधान के अनुरूप सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।ये दोनों अमेरिकी स्वामित्व वाली कंपनियां हैं (फ्लिपकार्ट में लगभग तीन चौथाई हिस्सा वॉलमार्ट का है)। भारत के ई-कॉमर्स बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा उनके पास ही है।एक अनुमान के मुताबिक 70 बिलियन डॉलर के इस बाजार में फ्लिपकार्ट का हिस्सा 32 और अमेजन का 24 फीसदी है।खबर है कि प्रवर्तन निदेशालय ने इनके विक्रताओं पर छापा मारा। उसके बाद इन कंपनियों के अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।आरोप है कि इन कंपनियों ने विदेशी निवेश संबंधी कानून का उल्लंघन किया। इस कानून के तहत विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां विक्रेताओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकतीं। साथ ही ये विक्रेताओं से सामान खरीद कर अपना भंडार नहीं बना सकतीं। अमेजन और फ्लिपकार्ट का कहना है कि उन्होंने किसी कानून का उल्लंघन नहीं किया। मगर ईडी का दावा है कि उसके पास इन कंपनियों के खिलाफ ठोस सबूत हैं।निर्विवाद है कि हर कंपनी- चाहे वो देशी हो या विदेशी- उसे सख्ती से देश के कानून का पालन करना चाहिए। कोई कंपनी ऐसा नहीं करती, तो उसे अवश्य ही दंडित किया जाना चाहिए। बहरहाल, जांच एजेंसियों को ऐसे कदम उठाते समय यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि वे ना सिर्फ निष्पक्ष हों, बल्कि निष्पक्ष दिखें भी।इस संदर्भ में यह बात इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि गुजरे वर्षों में ऐसी धारणा (जो संभव है कि निराधार हो) बनी है कि भारत सरकार के कुछ पसंदीदा उद्योग घराने हैं और जब उनके हित किसी विदेशी (या देशी) कंपनी से टकराते हैं, तो जांच एजेंसियां अति सक्रिय हो जाती हैं।अतीत में वर्तमान सरकार से ही जुड़े रहे कुछ अर्थशास्त्रियों ने इस धारणा को भारत में विदेशी निवेश के रास्ते में मौजूदा रुकावटों में एक बताया है।यह समय अंतरराष्टीय कारोबार के लिए प्रतिकूल है। इस वर्ष भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है। इस हाल में उपरोक्त धारणा को तोडऩा अत्यधिक आवश्यक हो गया है। आशा है, ईडी इस अपेक्षा के प्रति जागरूक होगी।

जन्मदिन पर आज विशेष लेख

महान वैज्ञानिक-जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का जन्म 25 नवंबर 1814 को हीलब्रोन , वुर्टेमबर्ग (बाडेन-वुर्टेमबर्ग , आधुनिक जर्मनी) में हुआ था, वे एक फार्मासिस्ट के बेटे थे। वे ...मेयर का जीवन और विज्ञान में योगदान. जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का जन्म 1814 में हीलब्रॉन में हुआ था, जो नेकर नदी के किनारे एक छोटा सा शहर है, जो , एक मेडिकल आदमी, मेयर जो रॉबर्ट के नाम से जाने जाते थे उनका जन्म दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के हीलब्रॉन में एक फार्मासिस्ट के बेटे के रूप में हुआ था। उन्होंने पास के ट्यूबिंगन विश्वविद्यालय में मेडिकल स्कूल में पढ़ाई की, और हीलब्रॉन में अभ्यास करने से पहले, उन्होंने ईस्ट इंडीज की एक साल की डच यात्रा के लिए जहाज के डॉक्टर के रूप में हस्ताक्षर करके दुनिया को देखने का फैसला किया। कई बुखार से पीड़ित नाविकों के रक्तपात में लगे रहने के दौरान, उन्होंने देखा कि उनकी नसों में खून सामान्य से बहुत ज़्यादा लाल था, लगभग धमनी के खून जितना लाल, यह दर्शाता है कि शिरापरक रक्त में सामान्य से ज़्यादा ऑक्सीजन थी। इस मामले पर विचार करते हुए, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यदि रक्त में ऑक्सीजन का उद्देश्य भोजन के ऑक्सीकरण के माध्यम से शरीर को गर्मी प्रदान करना है, तो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लोगों को कम शारीरिक गर्मी की आवश्यकता होगी, और इसलिए वे कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हैं । और इसने मेयर को यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया कि प्रकृति में गर्मी को संरक्षित किया जाना चाहिए, कि शरीर द्वारा उपयोग की जाने वाली ऑक्सीजन आवश्यक गर्मी के अनुपात में होनी चाहिए।1840 का दशक ऊष्मागतिकी के इतिहास में एक अद्भुत दशक था,क्योंकि कई वैज्ञानिकों ने, काफी स्वतंत्र रूप से, ऊर्जा के संरक्षण के सिद्धांत की खोज की थी। दरअसल, उन्होंने ऊर्जा की अवधारणा की खोज की, और फिर यह कि ऊर्जा एक ऐसी मात्रा है जो सभी अंतर्क्रियाओं में संरक्षित रहती है। जेम्स जूल की तरह ऊर्जा के संरक्षण के विचार पर ठोकर खाने वाले ज़्यादातर लोग गणितीय या प्रायोगिक भौतिक विज्ञानी थे। थर्मोडायनामिक्स के प्रथम नियम के कई स्वतंत्र खोजकर्ताओं में से पहले के रूप में सभी पाठ्यपुस्तकों में शामिल हैं।जर्मन चिकित्सक और भौतिक विज्ञानी जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का निधन 20 मार्च, 1878, को 63 वर्ष की आयु में हो गया । लेकिन थर्मो डायनामिक्स में शोध के लिए आज भी लोग याद करते हैं.

मेयर हेलब्रॉन लौटने पर, मेयर ने इस मामले को आगे बढ़ाया, और उन्होंने 1841 में ऊष्मा के संरक्षण पर एक पेपर लिखा, जिसे उन्होंने एनालेन डेर फिजिक को भेजा, जिसे संपादक ने जाहिर तौर पर इतना विचित्र माना कि उन्होंने जवाब देने या पांडुलिपि वापस करने की भी जहमत नहीं उठाई। ऐसा लगता है कि मेयर ने इसे इस बात का संकेत माना कि उनके पहले पेपर में सटीकता की कमी थी, जो कि निश्चित रूप से थी, और उन्होंने दूसरा पेपर लिखा, जिसे उन्होंने एनालेन डेर केमी अंड फ़ार्मेसी को भेजा, और यह 1842 में प्रकाशित हुआ। इसका शीर्षक इस प्रकार है: निर्जीव प्रकृति की शक्तियों पर टिप्पणी। इसमें, मेयर ने पहली बार कहीं भी, उस चीज़ की गणना की जिसे बाद में ऊष्मा का यांत्रिक समतुल्य कहा जाएगा; उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि 365 मीटर की दूरी पर गिरने वाला और ज़मीन से टकराने वाला भार उसके तापमान को 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ा देगा। उन्होंने तर्क दिया कि ऊष्मा और गति एक ही मात्रा की अलग-अलग अभिव्यक्तियाँ हैं, जिसे हम अब ऊर्जा कहते हैं।

हालाँकि यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ था, लेकिन जर्मनी में इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और वास्तव में कई मौकों पर इसकी कड़ी आलोचना की गई। जूल ने अपना पहला शोधपत्र अगले वर्ष, 1843 में ऊष्मा के यांत्रिक मूल्य पर लिखा, जो मेयर के काम से पूरी तरह अनभिज्ञ था। मेयर ने एक चिकित्सक के रूप में अभ्यास करना जारी रखा और ऊर्जा विषयों पर कई और शोधपत्र लिखे, जब उन्होंने देखा कि जूल को ऊष्मा के यांत्रिक समतुल्य की खोज का श्रेय दिया जा रहा है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। उनका जीवन ढलान पर चला गया; 1848 में बीमारी के कारण उनकी दो छोटी बेटियाँ मर गईं; उन्होंने 1850 में तीसरी मंजिल की खिड़की से खुद को फेंककर आत्महत्या करने की कोशिश की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं लेकिन मौत नहीं हुई; और कई साल बाद, वे विक्षिप्त हो गए और उन्हें एक मानसिक संस्थान में भर्ती होना पड़ा। वे धीरे-धीरे ठीक हो गए और चिकित्सा पद्धति में लौट आए, लेकिन वे ऊर्जा संरक्षण पर अपने काम पर कभी वापस नहीं लौटे। उनका काम हमेशा के लिए पहचाना नहीं जा सकता था।

जॉन टिंडल, एक सम्मानित भौतिक विज्ञानी, सामान्य रूप से जेम्स जूल से चिढ़ गए थे, और अधिक विशेष रूप से, जूल के ऊर्जा के संरक्षण की खोज करने के दावे से (उस समय तक इसे ऊष्मागतिकी के पहले नियम के रूप में जाना जाता था), और वे जूल के समर्थकों से भी नाराज़ थे, जैसे कि विलियम थॉमसन और बाद में लॉर्ड केल्विन उनसे नाराज थे । टिंडल ने जाहिर तौर पर मेयर के काम के बारे में सुना था, और 1862 में, उन्होंने अपने जर्मन सहयोगी, रुडोल्फ क्लॉसियस को मेयर के बारे में पूछते हुए लिखा; क्लॉसियस ने शुरू में जवाब दिया कि मेयर के काम में कुछ भी महत्वपूर्ण होने की संभावना नहीं है, लेकिन फिर उन्होंने 1842 के पेपर को करीब से देखा और महसूस किया कि मेयर वास्तव में मामले के मूल तक पहुँच गए थे, और उन्होंने टिंडल को बताया कि मेयर ने ऊर्जा के संरक्षण पर एक शानदार पेपर लिखा है, और उन्होंने जूल से पहले ऐसा किया था, और उन्होंने पेपर की एक प्रति भेजी। इसके बाद टिंडल ने 1862 में लंदन में रॉयल इंस्टीट्यूशन में एक व्याख्यान दिया और ब्रिटिश भौतिकविदों के समुदाय के लिए बड़ी चिंता की बात थी कि मेयर ऊष्मागतिकी के पहले नियम के खोजकर्ता थे। टिंडल ने मेयर के बारे में कहा...यह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति था जो चुपचाप काम कर रहा था, केवल अपने विषय के प्रति प्रेम से प्रेरित था, और उन लोगों से कुछ समय पहले सबसे महत्वपूर्ण परिणामों पर पहुँच गया था जिनका जीवन पूरी तरह से प्राकृतिक दर्शन यानी, जूल और थॉमसन के लिए समर्पित था। लगभग तुरंत ही, मेयर के 1842 के जर्मन पेपर का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया और उसी वर्ष बाद में फिलोसोफिकल मैगज़ीन , लंदन, एडिनबर्ग और डबलिन फिलोसोफिकल मैगज़ीन में प्रकाशित किया गया। ÷इस पेपर पर हाल ही में काफी ध्यान दिया गया है, क्योंकि वह बल की अविनाशीता के सिद्धांत और विशेष रूप से ऊष्मा और कार्य की तुल्यता के विचार के शुरुआती प्रवर्तकों में से एक हैं, इसलिए फिलोसोफिकल मैगज़ीन के कई पाठकों को इस विषय पर उनके सबसे शुरुआती प्रकाशन को पढ़ने में रुचि होगी,÷ और फिर पाठक को टिंडल के व्याख्यान का संदर्भ देते हैं, जो उसी पत्रिका के पिछले अंक में कई महीने पहले प्रकाशित हुआ था।जे.आर. मेयर, लंदन, एडिनबर्ग और डबलिन फिलॉसॉफिकल मैगज़ीन, सीर. 4, खंड 24, 1862 के अंक में (लिंडा हॉल लाइब्रेरी) द्वारा अकार्बनिक प्रकृति की शक्तियों पर टिप्पणी पर शोधपत्र प्रकाशित हुआ. इस प्रकार मेयर को काफी प्रतिष्ठा फिजिक्स के फील्ड में मिली । उन्हें रॉबर्ट वॉन मेयर÷ नाम का उपाधि से उन्हें सम्मानित किया गया, और 1878 में उनकी मृत्यु के समय तक, वे एक राष्ट्रीय नायक थे। और वे अभी भी दक्षिणी जर्मनी में एक प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्ति भी हैं। उनके गृह नगर हीलब्रॉन के शहर के चौराहे पर उनके सम्मान में एक सुंदर कांस्य प्रतिमा लगी है। और अब वे थर्मोडायनामिक्स के प्रथम नियम के कई स्वतंत्र खोजकर्ताओं में से पहले के रूप में सभी पाठ्यपुस्तकों में शामिल हैं।जर्मन चिकित्सक और भौतिक विज्ञानी जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का निधन 20 मार्च, 1878, को 63 वर्ष की आयु में हो गया । लेकिन थर्मो डायनामिक्स में शोध के लिए आज भी लोग याद करते हैं ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस आज पर विशेष

चिंताजनक है महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरूद्ध हिंसा रोकने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तीन बहनों पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को उन तीनों की हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा 17 दिसम्बर 1999 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के विरूद्ध अंतर्राष्टीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। सरकारों, निजी क्षेत्र और प्रबुद्ध समाज से यौन हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न के विरूद्ध कड़ा रूख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरन्तर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में शामिल है, जिसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा 'संयुक्त राष्ट महिला' का गठन किया गया था। संयुक्त राष्ट महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लडकियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं, करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है, हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। महिलाओं को हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी के अधिकार को बाधित करता है, उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित करता है। इससे आर्थिक सुधार और सतत विकास में खलल पड़ता है।भारत के संदर्भ में महिला हिंसा को लेकर आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति काफी चिंताजनक है। हालांकि 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौंसले पस्त होंगे किन्तु विड़म्बना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड और उसके बाद के वर्षों में सामने आ चुके महिला अपराधों के कई अन्य जघन्य मामलों के बाद भी हालात यह हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा महिला हिंसा की छोटी-बड़ी घटनाएं तो बदस्तूर होती ही रहती हैं। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैरजिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया ही सामने आता रहा है।प्रश्न यही है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कोलकाता की महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और नृशंस हत्या का मामला हो या हैदराबाद की बेटी दिशा का या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते ऐसे तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें और ऐसे मामलों में कोताही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

कविता
भोले का राग

घटती-घटना
कार्तिकेय त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इंदौर मध्यप्रदेश

मैं भोले का राग सुनाता हूं,
मनचाही धुन में गाता हूं,
भोले जिव्हा पर आते हैं,
और मन-दर्पण कर जाते हैं।
मैं भोले का राग ...
मैं मंदिर-मंदिर कब जाऊं,
भोले तो मन में बसते हैं,
वो हर इच्छा पूरी करते,
और मन ही मन में हंसते हैं।
मैं भोले का राग ...
हम जन्म से ही याचक बन कर,
भोले को पूजा करते हैं,
वो भोले हैं भंडारी हैं ,
भंडार सभी के भरते हैं।
मैं भोले का राग ...
दुनिया में आना-जाना तो,
भोले की इच्छा पर निर्भर,
जो कर्म करें हम पावन तो,
बन जाएं गंगा-से निर्झर।
मैं भोले का राग ...
दुनिया की देखा-देखी में,
मन को भी ना हम अधीर करें,
थोड़ा भोले को पहचाने ,
और उनके-सा गंभीर बनें।
मैं भोले का राग ....
पाकर भोले का साथ जरा,
दुनिया में जीना सीखो तुम,
भोले का साथ अनूठा है,
बाकी आडंबर झूठा है।

देश के लिए चुनौती बने सड़क हादसे

'यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सड़कें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सड़क हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं।सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वगरे जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है।दुर्घटनाओं और मृत्यु दर, दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही।यूं तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरु कता बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरु कता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सड़क सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सड़क सुरक्षा को सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट अनिवार्यकिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्यप्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए। असल में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ति को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सड़कों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा। जरूरी है कि सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए आवश्यक उपायों की खोज की जाए।

-अमित बैजनाथ गर्ग-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सहकारिता की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण

गरीब कल्याण और समाज के निचले तबके के लिए समृद्धि का रास्ता खोलने में सहकारिता की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। डेयरी, खाद और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में सहकारिता की सफलता के बाद अब बारी अन्य क्षेत्रों की है।सहकारिता के महत्व को समझते हुए सरकार ने इसके लिए अलग से मंत्रालय का गठन भी किया है। बीते तीन वर्ष में सहकारिता क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। संभवतः यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) को वैश्विक सहकारी सम्मेलन कराने के लिए इस वर्ष भारत आना पड़ा। सहकारिता के बढ़ते महत्त्व को संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी स्वीकारा है, और 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। नई दिल्ली में 25 नवम्बर से होने वाला वैश्विक सहकारी सम्मेलन-2024 दुनिया भर के सहकारिता क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। आईसीए की स्थापना (1895) के 130 वर्षो के इतिहास में पहली बार यह आयोजन भारत में होने जा रहा है। भारत आईसीए का संस्थापक सदस्य है। आईसीए सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष वैश्विक संस्था है, जिसकी संख्या दुनिया भर में 30 लाख से ज्यादा है। विश्व में 107 देशों के 310 से अधिक संगठन अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के सदस्य हैं।इस सम्मेलन की मेजबानी की बागडोर विश्व की अग्रणी सहकारी संस्था इफको समेत देश की 17 प्रमुख सहकारी संस्थाओं के हाथों में है। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि यह सम्मेलन सहकार से समृद्धि के भारत के संकल्प को पूरी दुनिया में ले जाएगा। आईसीए ने भी इस सम्मेलन का थीम सहकारिताएं-सबकी समृद्धि का द्वार' तय किया है। इस सम्मेलन में भारतीय गांवों की थीम पर बने हाट' में भारतीय सहकारी उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है।

बहुत संभव है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन के दौरान 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाए जाने की औपचारिक घोषणा और इस विषय पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करें।मोदी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में पिछले तीन वर्ष में दर्जनों महत्वपूर्ण बदलाव कर इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। सहकारी आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए नये मंत्रालय का भी गठन किया गया। सहकारी क्षेत्र के संस्थानों के पुनर्गठन और निष्क्रिय हो चुकीं प्राथमिक सोसाइटियों को पुनर्जीवित किया गया है। मॉडल बायलॉज से प्राथमिक कृषि ऋृण सोसाइटी (पैक्स) को ताकत दी गई और उनके कामकाज के दायरे को बढ़ाया गया। सहकारिता पर लागू टैक्स को तर्क संगत बनाया गया।दुनिया में लगभग 30 लाख सहकारी समितियां हैं, जिनमें से करीब 8 लाख सहकारी समितियां यानी एक चौथाई से अधिक समितियां भारत में हैं। संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देशों के एक अरब से अधिक लोग इन समितियों के सदस्य हैं, जिनमें से 29 करोड़ से ज्यादा सदस्य भारत के हैं। सहकारिता क्षेत्र ने दुनिया भर में 21 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है।सहकारी समितियों की संख्या और उनके विस्तार की संभावनाओं के मामले में भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। भारतीय सहकारी प्रणाली में सबसे बड़ा परिवर्तन पैक्स के मॉडल बायलॉज का कार्यान्वयन है। सहकारिता क्षेत्र में तीन नई राष्ट्रीय बहुराज्यीय सहकारी समितियों: राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड (एनसीओएल), राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) के गठन ने भारत को वैश्विक सहकारिता आंदोलन में अग्रणी बना दिया है। इन पहल ने दूसरे देशों का ध्यान खींचा है।अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान जहां संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्य को सहकारिता के माध्यम से पूरा करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी, वहीं सहकारिता के वैश्विक सम्मेलन में इन सभी लक्ष्यों पर व्यापक चर्चा भी कराई जाएगी। लोगों के जीवन स्तर में सुधार के साथ ही वैश्विक चिंताओं को दूर करने को लेकर तैयार बिंदुओं पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया जाएगा।

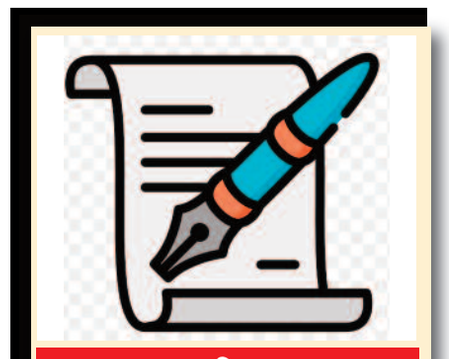

-नितिन प्रधान-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े हुईं सडक़ हादसे का शिकार, काफिले के फॉलो वाहन आपस में टकराए

- संवाददाता -
राजपुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के काफिले में चल रहे फॉलो वाहन रविवार की दोपहर करीब 3 अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाइवे पर आपस में टकरा गए। हादसे में सभी को मामूली चोटें आई तथा गाडियां भी क्षतिग्रस्त हो गई।

बलरामपुर जिले के कुसमी में चल रहे स्व. बिरसा मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला जा रहा है। इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े शामिल होने अपने काफिले के साथ रविवार की दोपहर जा रही थीं। उनका काफिला दोपहर करीब 3 बजे अंबिकापुर-रामानुजगंज एनएच-343 पर राजपुर से 8 किमी पहले ग्राम चरगढ़ के पास पहुंचा था। इसी दौरान मंत्री की कार समेत काफिले में शामिल सभी गाडियां आपस में टकरा गई। हादसे में मंत्री समेत सभी को मामूली चोटें आई हैं। वहीं गाडियां भी क्षतिग्रस्त हो गई।

खीस्त राजा पर्व मसीही समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी मसीही समाज द्वारा खीस्त राजा पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाज द्वारा नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। खीस्त राजा पर्व रविवारिय विशेष महाप्रार्थना सभा के समस्त धार्मिक अनुष्ठान, मिस्सा पूजा बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा द्वारा महागिरजाघर मे संपन्न कराए गए। शोभायात्रा नवापारा महागिरजाघर से प्रारंभ होगी और गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, महामाया चौक, गुरूनानक चौक, गुदरी चौक, जीईएल चर्च, जोड़ा पीपल चैक, आकाशवाणी चौक, उर्सूलाईन, बिशप हाउस से होते हुए संत जेवियर स्कूल प्रांगण में समाप्त हुई पूजन विधि बिशप डॉ. अन्तोनिस बड़ा ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खीस्त का राज्य प्रेम, शांति, आपसी भाईचारा व सहयोग तथा न्याय का राज्य है। उनका न्याय हमारे नियम के अनुसार नहीं बल्कि कृपा और दया के भाव से होता है। याद रखें कि हम हथियारों से नहीं बल्कि शांति, प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से बुराई के खिलाफ संघर्ष करते हैं।संगीत संचालन अनुरंजन तिग्गा, जॉन जायसवाल, मुक्ति कुमार लकड़ा, माईकेल के साथ नवापारा चर्च के युवा संघ सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से फा. जार्ज ग्रे कुजूर, एल्फिज, सतीश कच्छप, अमृतलाल टोप्पो, सुशील तिग्गा, सिस्टर डायना, सिस्टर ममता, सिस्टर व्याटिस, हॉली क्रॉस अस्तपताल केदारपुर, सिस्टर शान्ता जोसेफ प्राचार्या हॉली क्रॉस कॉलेज पटपरिया, विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज, महापौर डॉ. अजय तिर्की मुख्य रूप से शामिल रहे।

मितानिनों को किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मितानिन दिवस के अवसर पर 24 नवंबर को शहर के नवागढ़ में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वार्ड क्रमांक 40 के पार्षद फौजिया बाबार इद्रिसी द्वारा वार्ड के मितानिनों को साल, श्रीफल, डायरी पेन व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मितानिनों में सरिता गुप्ता, हसीना खान, कोमल कश्यप, मंजू केरकेट्टा, संगीता पैकरा शमिल रहे। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में मो. बाबर, अरसद, मोनू, नाजो, सोनी परवीन, नाजिया परवीन सहित अन्य लोग रहे।

शीतलहर का प्रकोप जारी,न्यूतनतम तापमान पहुंचा 8 डिग्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में में शीतलहर के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। शनिवार की रात को अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। सरगुजा संभाग में ठंड ने करीब दो दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शुक्रवार की रात को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं मैनपाट व सामरी पाट में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे चला गया है।

उत्तर-पश्चिमी दिशा की ओर से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इस लिए सरगुजा संभाग में शीतलहर की स्थिति निर्मित है। पिछले 5 से 6 दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर के कारण अंबिकापुर में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। रविवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में भी सर्द हवाएं लोगों को कंपकंपा रही हैं। शीतलहर के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट आ रही है। शनिवार का अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री था। जो रविवार को कम होकर 25 डिग्री पहुंच गया है। इस लिए ठंड से दिन में भी लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। तेज धूप का भी असर नहीं हो रहा है। लोग पूरे दिन गर्म कपड़ों में ही नजर आ रहे हैं। शीतलहर के कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 8 डिग्री पहुंच गया है जो सामान्य से 6 डिग्री कम है। वहीं मैनपाट व सामरी पाट की स्थिति और ही खराब है। यहां तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में ठंड से राहत पाने लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।

बकरा पूजाई पड़ा महंगा,बकरे की बलि देते समय आया हार्ट अटैक,मौत

- संवाददाता -
उदयपुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ के केंदा राम गोंड पिता बेंगा राम का खोंपा में बकरे का बलि देते समय हार्ट अटैक आने से मौत हो गई।

जानकारी अनुसार उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत के ग्राम लक्ष्मणगढ़ के केंदा राम गोंड 50 वर्ष जो अपने मन्नत पूरी होने पर खोपा धाम के लिए बकरा लेकर सुबह 8:00 बजे गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ निकला। खोपा बत्रा में पहुंच पूजा अर्चना के पश्चात जैसे ही बकरे का बली दिया गया केंदा राम को हार्ट अटैक आ गया।

तत्काल गम्भीर अवस्था में उसे विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां केंदा राम की हालत में सुधार आया। दो घंटा बाद हालत में सुधार होने पर परिजन उसे अपनी वाहन से घर की तरफ जाने लौटने लगे तभी अचानक से फिर से केंदा राम को हार्ट अटैक आया और रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। परिजनों को जैसे ही उसकी मृत्यु की जानकारी मिली परिवार में मातम पसर गया।

7 लोगों से 27.5 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान चलाकर 7 प्रकरण दर्ज कर 27.5 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया है।

थाना गांधीनगर अंतर्गत ठाकुरपुर स्कूलपारा निवासी सुशीला के कब्जे से 8 लीटर, ठाकुरपुर निवासी सुषमा यादव के कब्जे से 4 लीटर, थाना मणीपुर दर्रीडांड़ निवासी बिंदु भुईया के कब्जे से 3.5 लीटर, ग्राम कुदर थाना धौरपुर निवासी केतकी बाई के कब्जे से 4 लीटर, कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेमश माझी के कब्जे 4 लीटर शराब जब्त किया गया है। इसी तरह थाना उदयपुर अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा आरोपिया मोहरमनिया उम्र 50 वर्ष साकिन गुमगा थाना उदयपुर के कब्जे से 1 लीटर, थाना दरिमा से दिनेश सिंह पोर्ते के कब्जे से 3 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया गया है।

यातायात नियम तोडऩे वाले 73 वाहन चालकों से वसूले गए 1 लाख 22 हजार रुपए

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले 73 वाहन चालकों से पुलिस ने 1 लाख 22 हजार 450 रुपए समन शुल्क वसूले हैं। जिसमें अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाने वाले 14 वाहन चालकों से 17 हजार, असंवैधानिक पार्किंग किए जाने के मामले में 11 वाहन चालकों से 33 सौ, खतरनाक ढंग से वाहन चलाने पाए जाने पर 2 लोगों से 4 हजार, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग कर वाहन चलाने वाले 2 लोगों से 4 हजार व ओवर लोडिंग के 3 मामले में 60 हजार रुपए समन शुल्क वसूले हैं। वहीं सरगुजा पुलिस द्वारा यातायात नियम को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, उप निरीक्षक विजय केवर्त, सहायक उप निरीक्षक निशिकांत एक्का, प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव एवं यातायात शाखा के पुलिस अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा में मनाया गया मितानिन दिवस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस मार्को के मार्गदर्शन में गत शनिवार को मितानिन दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में जिला शहरी कार्यक्रम प्रबंधक व शहरी कार्यक्रम प्रबंधक की मौजूदगी में मितानिन दिवस के अवसर पर शहरी क्षेत्र के समस्त मितानिनों को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,नवापारा में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रभारी डॉ.शीला नेताम ने मितानिनों को उनके कार्यों एवं योगदान के लिए सराहा और बेहतर सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

मितानिन दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली मितानिनों को पुरस्कार वितरण किया गया। विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम किया गया। मितानिन दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी मितानिन एवं चिकित्सा अधिकारी एवं अस्पताल के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्भवती होने पर युवती से शादी करने से किया इंकर,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर युवक तीन वर्ष तक युवती से दुष्कर्म करता रहा। जब पीड़िताा गर्भवती हो गई तो वह शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार आनंद विश्वकर्मा उम्र 27 वर्ष बलरामपुर जिले के गणेशमोड़ का रहने वाला है। तीन वर्ष पूर्व से इसकी जान पहचान अंबिकापुर की एक लडक़ी से थी। वह शादी का झांसा देकर तीन वर्षों से बलात्कार करता रहा। इस बीच पीड़िता जब गर्भवती हो गई तो युवक शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने 23 नंवबर को मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 376 (2) एन के तहत कार्राई कर जेल दाखिल कर दिया है।

खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुई केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

-संवाददाता-
कुसमी,24 नवम्बर 2024(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी हाईस्कुल मैदान में 5 नवम्बर से चल रहे बिरसामुडा फुटबॉल खेल प्रतियोगिता की विजेता टीम रही जशपुर जिले की मनोरा की टीम। दरसल इस फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में कुल 52 टीमों ने हिस्सा लिया था जिसमें प्रतियोगिता में अच्छा खेलने की वजह से करौंधा टीम और मनोरा टीम की फाईनल मैंच में पहुची और आयोजको के द्वारा रविवार के दिन फाईनल मैंच को आयोजन किया गया था। खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के साथ सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा पुर्व सांसद कमलभान सिंह व सामरी के भुतपुर्व विधायक एवं ससदीय सचिव सिद्धनाथ पैंकरा शामिल हुये। अतिथियों का आतिशबाजी कर फुलमाला से जोरदार स्वागत किया गया। स्कुली छात्राओं द्वारा रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। कुसमी खेल मैदान में पानी की समस्या से खिलाड़ियों को निजात मिले इसे लेकर बोर मशीन का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा किया गया।

CMYK

बांग्लादेश में जल्द होंगे चुनाव! नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त नासिर ने ली शपथ

ढाका, 24 नवम्बर 2024। रविवार को बांग्लादेश में नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन और चार अन्य आयुक्तों ने अपने पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने नए आयोग को पद की शपथ दिलाई।

दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन में उखाड़ फेंका गया था, इसके बाद बांग्लादेश के पिछले मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस्तीफा दे दिया था। तब से ये पद खाली था।

नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त का शपथ ग्रहण

मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के लाउंज में आयोजित एक समारोह में नए चुनाव आयोग को पद की शपथ दिलाई, जिसमें शीर्ष अदालत के न्यायाधीश और संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त इससे पहले सेवक सैन्य अधिकारी और निचली न्यायपालिका के न्यायाधीश के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं, अन्य चार नए चुनाव आयुक्त क्रमशः सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश मोहम्मद अनवारुल इस्लाम सरकार और अब्दुर रहमानल मसूद, सरकार की सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव बेगम तहमीदा अहमद और सेवानिवृत्त सेना ब्रिगेडियर जनरल अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह हैं।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने 21 नवंबर को इस पद पर नियुक्ति की

थी। पिछले 5 सितंबर से ये पद रिक्त था। बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से जाने के बाद काजी हबीबुल अवाल के नेतृत्व वाले पिछले आयोग के सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था।

लंबे समय से खाली था पद

बता दें कि बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवाल और आयोग के अन्य सदस्यों ने 5 सितंबर को अपने त्यागपत्र दे दिए थे। अधिकारियों ने कहा कि साल 1972 में अपनी स्थापना के बाद चुनाव आयोग इतने दिनों तक कभी रिक्त नहीं रहा है। विगत 29 अक्टूबर को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जुबैर रहमान चौधरी के नेतृत्व में छह सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति के प्रत्येक सदस्य को चुनाव आयोग की सदस्यता के लिए दो लोगों के नाम का सुझाव देना था।

जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग

बांग्लादेश में चुनाव आयोग की स्थापना इसलिए की गई है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अलावा कई अन्य राजनीतिक दल पिछले कई हफ्ते से देश में जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे थे। विगत 17 नवंबर को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने कहा था कि उनकी सरकार चुनावी सुधारों पर निर्णय होते ही चुनाव का रोडमैप जारी करेगी।

हम आपकी पूरी अर्थव्यवस्था तबाह कर देंगे, ट्रंप के करीबी ने दी ट्रूडो को खुली धमकी...नेतन्याहू पर बंटे पश्चिमी देश

नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2024। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ जारी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट पर पश्चिमी देश बंटते दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में बयान दिया कि अगर नेतन्याहू उनके देश आते हैं तो वह गिरफ्तारी वारंट का पालन करेंगे। मतलब यह हुआ कि कनाडा जाने पर नेतन्याहू को गिरफ्तार किया जा सकता है।

अब जस्टिन ट्रूडो को डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सांसद लिंडसे ग्राहम ने खुली धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा ने ऐसा किया तो वह कनाडा की पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देंगे। ग्राहम ने न केवल कनाडा बल्कि ब्रिटेन, फ्रांस समेत

कई पश्चिमी देशों को खुली धमकी दी है। ग्राहम ने प्रतिबंध लगाने की बात भी कही है।

ब्रिटेन को भी धमकाया

सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अमेरिका को उन सभी देशों की अर्थव्यवस्था को तबाह कर देना चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट का पालन करते हैं। उन्होंने जस्टिन ट्रूडो और यूके के प्रधानमंत्री केर स्टार्मर को चेतावनी दी है। कहा कि अगर ब्रिटेन ने बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तार में मदद की तो उसे गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे। बता दें के कनाडा के अलावा ब्रिटेन ने खुलकर कहा है कि अगर इजरायल के प्रधानमंत्री ब्रिटेन में प्रवेश करते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

पूरी अर्थव्यवस्था को कुचल देंगे

ग्राहम ने कहा कि अगर कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस ने आईसीसी की मदद करने की कोशिश की तो हम प्रतिबंध लगाएंगे। आपको दुष्ट आईसीसी बनाम अमेरिका को चुनना होगा। जल्द से जल्द एक कानून पारित कराने की दिशा में मैं टॉम कॉटन के साथ काम कर रहा हूं। इस कानून से उस देश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है जो इजराइल के किसी भी राजनेता की गिरफ्तारी में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को कुचल देना चाहिए।

पुतिन के खिलाफ वारंट का किया था स्वागत

पिछले साल मार्च में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी आईसीसी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। तब ग्राहम ने इस फैसले का स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए सही दिशा में एक बड़ा कदम है। यह सुबूतों से कहीं अधिक उचित है। मुझे उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यूक्रेन पर क्रूर आक्रमण के लिए पुतिन को जवाबदेह ठहराएगा और आईसीसी का समर्थन करना जारी रखेगा।

भारत से शेख हसीना को दिसंबर में वापस ले जाएगा बांग्लादेश?

विदेश मंत्रालय की आई प्रतिक्रिया

ढाका,23 नवम्बर 2024। पूर्व पीएम शेख हसीना की वापसी का प्रयास बांग्लादेश कर रहा है. विदेश मंत्रालय हसीना के प्रत्यर्पण पर चर्चा के लिए दिसंबर में भारत के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) पर विचार कर रहा है. इस संबंध में dhakatribune.com ने खबर प्रकाशित की है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता तौफीक हसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷इस मुद्दे पर चर्चा की गुंजाइश बन रही है.÷

तौफीक हसन ने यह भी कहा कि भारत के साथ समझौतों और सहमति पत्रों की समीक्षा की प्रक्रिया चल रही है. इसमें कुछ वक्त लग सकता है. दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता दिसंबर में आयोजित करने की तैयारी की जा रही है. शेख हसीना पर जुलाई-अगस्त में बांग्लादेश में हुए आंदोलन के दौरान सामूहिक हत्याओं को लेकर केस दर्ज किया गया है. वह 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं. सरकार उन्हें वापस बांग्लादेश लाना चाहती है.

कोई आधिकारिक आदेश नहीं मिला : तौफीक हसन

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उन्हें प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कोई आधिकारिक आदेश नहीं मिला है। भारत के साथ समझौतों की समीक्षा के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने उपरोक्त बातें कही। प्रवक्ता ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच हस्ताक्षरित समझौते और सहमति पत्र विभिन्न मंत्रालयों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी का विरोध प्रदर्शन शुरू, 25 ट्रेनें रद्द; कई प्रदेशों में इंटरनेट बंद

इस्लामाबाद, 24 नवम्बर 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थन पूरे देश में अपना विरोध जताने में जुटे हैं। राजधानी इस्लामाबाद को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। अब इमरान खान की पार्टी ने अपने विरोध मार्च को बढ़ाने की तैयारी की है। इमरान खान की पार्टी का नाम तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) है। उसने लोगों से गुलामी की बेड़ियां तोड़ने और मार्च में शामिल होने की अपील की। हालांकि इस बीच पाकिस्तान सरकार विरोध प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश में जुटी है।

दो राज्यों में इंटरनेट बंद

पीटीआई के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इस्लामाबाद, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में इंटरनेट और मोबाइल सेवाओं को आंशिक रूप से निलंबित कर दिया गया है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में मेट्रो बस सेवाओं समेत सार्वजनिक परिवहन को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा फैजाबाद के सभी बस टर्मिनलों पर बैरिकेडिंग की गई है।

26 ट्रेनें रद

18 नवंबर से इस्लामाबाद में धारा 144 लागू है। इसके बाद पंजाब सरकार ने भी 23 नवंबर से 25 नवंबर तक पूरे प्रांत में धारा 144 लागू कर दी है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक पाकिस्तान रेलवे ने लाहौर, रावलपिंडी और पेशावर के बीच सभी ट्रेनों को निलंबित कर दिया है। मुल्तान से फैसलाबाद भी कोई ट्रेन नहीं

जाएगी। कुल 25 ट्रेनों को रद किया गया है। हालांकि यात्रियों को रिफंड किया जाएगा।

पाकिस्तान सरकार ने देशभर में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है। प्रमुख सड़कों को सील कर दिया गया है। इस्लामाबाद को आने वाली सभी सड़कों पर अवरोधक लगाए गए हैं। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय का कहना है कि अदालत के आदेश के मुताबिक इस्लामाबाद में किसी भी विरोध प्रदर्शन और धरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अगर सार्वजनिक व्यवस्था को कोई बाधित करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह आजादी का आंदोलनः इमरान खान

जेल में बंद इमरान खान ने लोगों से विरोध प्रदर्शन में एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आजादी और न्याय का आंदोलन है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को पीटीआई नेताओं ने विरोध प्रदर्शन की रणनीति को अंतिम रूप देने की खातिर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक की।

प्रदर्शन में नहीं शामिल होंगी बुशरा बीबी

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगी। इस्लामाबाद में कई प्रमुख सड़कों को सील कर दिया है। महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों वाले इलाकों की सुरक्षा कड़ी की गई है। श्रीनगर हाईवे, जीटी रोड और एक्सप्रेसवे समेत पूरे शहर में कंटेनर रखे गए हैं। पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) के साथ रेंजर्स को तैनात किया गया है।

निज्जर हत्याकांड के आरोपियों पर सीधे सुप्रीम कोर्ट में केस चलाएगा कनाडा,गिरफ्त में हैं 4 भारतीय; क्या मायने?

ओटावा, 24 नवम्बर 2024। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा सरकार ने चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ ÷सीधा अभियोग÷ दायर करने का फैसला लिया है। इस फैसले के कारण सुरे प्रांतीय अदालत में चल रही प्रारंभिक सुनवाई को रोक दिया गया है, और अब यह मामला सीधे सुप्रीम कोर्ट में सुना जाएगा।

द इंडियन एक्सप्रेस ने बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस के प्रवक्ता के हवाले से ये जानकारी दी। सीधा अभियोग दायर होने का मतलब है कि मामले में प्रारंभिक सुनवाई नहीं होगी और मामला सीधे ट्रायल के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। इस प्रक्रिया में अभियुक्तों के वकीलों को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और मामले के खिलाफ साक्ष्य एकत्र करने का मौका नहीं मिलता। सीधे शब्दों में कहें तो निज्जर की कथित हत्या के आरोपियों के वकीलों को सरकारी गवाहों से जिरह करने का मौका नहीं मिल पाएगा।

कनाडा के आपराधिक संहिता के तहत, सीधा अभियोग एक विशेष अधिकार है जिसे बहुत कम मामलों में लागू किया जाता है। यह तब इस्तेमाल में लाया जाता है जब जनता के हित में ऐसा करना आवश्यक हो, जैसे कि गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हों।

कौन हैं आरोपी ?

चारों आरोपी भारतीय नागरिक हैं। इनके नाम –करन बराड़, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह, और करनप्रीत सिंह है। इनको मई 2024 में गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों पर 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सुरे में स्थित एक गुरुद्वारे के परिसर में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने का आरोप है। चारों अभियुक्तों पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश का आरोप लगाया गया है। ये पुलिस हिरासत में हैं और अब तक किसी को जमानत नहीं मिली है।

अवैध 1600 लीटर डीजल सहित 4 गिरफ्तार, थाना प्रतापपुर पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने के सख्त निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 23.11.2024 को थाना प्रतापपुर पुलिस ग्राम भ्रमण पर निकली थी इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम दुरती स्थित ढ़ाबा के पीछे 4 व्यक्ति ज्वलनशील पदार्थ डीजल को लापरवाही पूर्वक परिवहन करने हेतु टाटा इन्ट्रा वाहन में लोड़ कर रहे है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां ढ़ाबा के पीछे 4 व्यक्ति रविशंकर गुप्ता पिता प्रमोद गुप्ता उम्र 28 वर्ष ग्राम इंद्रीकला, थाना चांदो जिला बलरामपुर, बृजेश यादव पिता विजय शंकर यादव उम्र 27 वर्ष ग्राम जगदीशपुर भटरिया, थाना अलीनगर, जिला चंदौली उत्तरप्रदेश, संदीप यादव पिता छोटेलाल यादव उम्र 35 वर्ष ग्राम जगदीशपुर भटरिया एवं कमलेश यादव पिता गजन यादव उम्र 34 वर्ष ग्राम भोजपुर, थाना सकलडीहा, जिला चंदौली उत्तरप्रदेश को पकड़ा जिनके द्वारा 200 लीटर क्षमता वाले 6 नग प्लास्टिक व 2 नग टीन की ड्रमों में भरा करीब 1 हजार 6 सौ लीटर डीजल को लापरवाही पूर्वक वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 2182 में रखा पाया। इन लोगों से डीजल को रखने एवं परिवहन करने संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए। चारों आरोपियों का कृत्य धारा 287 भारतीय न्याय संहिता व 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम का अपराध घटित करना पाए जाने पर 1600 लीटर डीजल कीमत करीब 4 लाख रूपये व टाटा इन्ट्रा वाहन को जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, मनोज केरकेट्टा, महिला प्रधान आरक्षक सरिता टोप्पो, आरक्षक राजेश तिवारी व अवधेश कुशवाहा सक्रिय रहे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः. 202411020700099

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015

पक्षकारों का विवरणः-

आवेदक पक्षकार-मोहम्मद नुरूल इस्लाम मरावी,

अनावेदक पक्षकार-रवि रोशन

ईश्तहार

आवेदक मोहम्मद नुरूल इस्लाम मरावी आ0 मो0 अब्दुलाह उर्फ राय सिंह निवासी ग्राम दवना तहसील रामानुजनगर जिला बलरामपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4703/2, 4705/3 रकबा 0.162, 0.039 हे0 मे से रकबा 0.003,0.031 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 24/02/2023 के मध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/12/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/11/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

बाल विवाह मुक्त सरगुजा के लिए कार्यशाला का आयोजन पॉलिटेक्निक कॉलेज में

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22/11/24 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का विषय किशोर सशक्तिकरण एवं बाल विवाह रोकथाम । इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती ममता चौहान, यूनिसेफ, जिला समन्वयक,जिला सरगुजा, श्रीमती सुमंती खाखा ,विधिक सहपरवीक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, डॉ.डी.के.सोनी,वरिष्ठ वकील (RTI specialist) रहे। इनके द्वारा द्वारा विभिन्न मुद्दों पर जैसे बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा,जल स्वच्छता, बालश्रमिक निषेध, बेटी बचाओ बेटी

पढ़ाओ, शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने, स्पॉन्सरशिप योजना,किशोर सशक्तिकरण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई । कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्रीमती ममता चौहान ने बाल विवाह के दुष्प्रभाव और रोकथाम पर अपनी प्रस्तुतीकरण दी। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में बाल विवाह की स्थिति, बाल विवाह के कारण, प्रभाव, उपाय एवं बाल विवाह के खिलाफ कानूनी उपाय के बारे में जानकारी देते हुए सरगुजा जिला को बाल विवाह मुक्त करने की अपील भी किए। श्रीमती सुमंती खाखा द्वारा पाक्सों एक्ट, यौन शोषण के कानूनी जानकारी पर विस्तृत चर्चा हुई।इन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्रों को अवगत कराया । डॉ . डी.के.सोनी जी वरिष्ठ वकील द्वारा RTI एवं बाल अधिकार कानून एवं संरक्षण विषय पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ समाज के लिए जागरुक किया गया। महाविद्यालय के के प्राचार्य श्री आर.जे.पाण्डे जी की मार्गदर्शन में यह कार्यशाला संपन्न हुई। प्राचार्य महोदय द्वारा यूनिसेफ एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना किए। इस कार्यशाला का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री अमित कुमार बघेल द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक, प्राध्यापिका गण ,राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों के साथ महाविद्यालय के अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

CMYK

क्या पिछली सरकार में जो थी भ्रष्टाचार की बानगी... इस सरकार ने भ्रष्टाचारियों को बताया पाक साफ ?

पिछले सरकार ने भ्रष्टाचार मामले को पाया था सही और की थी कार्यवाही...सरकार बदलते ही कार्रवाई पर डाला गया पर्दा ?

पिछली सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में जिसे किया था निलंबित उस संयुक्त संचालक को मिली इस सरकार में इच्छा अनुसार पोस्टिंग ?

मामला शिक्षा विभाग का...जहां पदोन्नति पोस्टिंग मामले में हुआ था करोड़ों का खेल उसे समय की सरकार ने एक्शन भी लिया पर वर्तमान सरकार में नहीं दिखा कोई रिएक्शन ?

सुनियोजित तरीके से शिक्षकों से वसूले गए थे पैसे,मामले को लगातार घटती-घटना ने प्रमुखता से उठाया था सवाल

काउंसलिंग प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण कई शिक्षक रह गए थे पदोन्नति से वंचित

जिन शिक्षकों ने मामले को प्रमुखता से उठाया,उन्हें होना पड़ा था निलंबित,पिछली सरकार ने बैठाई थी जांच समिति और भ्रष्टाचार के मामले को पाया था सही

समिति के अनुशंसा पर खुद शिक्षा मंत्री के निर्देश पर हुई थी संयुक्त संचालक के निलंबन की कार्यवाही

लेनदेन कर सेटिंग करने वाले शिक्षक भी हुए थे प्रभावित, पर सरकार बदलते ही भ्रष्टाचार के मामले पर तत्काल हुई लीपापोती

सरकार बदलते ही लेनदेन वाले शिक्षकों को भी मिली इच्छा अनुसार पोस्टिंग, जैसी थी उनकी मंशा।

-भूपेन्द्र सिंह-
अम्बिकापुर 24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शिक्षा विभाग और उसमें पदस्थ शिक्षक जिन्हें समाज निर्माता भी कहा जाता है, और जो सामाजिक ताने-बाने के रीढ की हड्डी कहलाते हैं, जिन पर भावी पीढ़ी को तैयार करने की जिम्मेदारी होती है, और जिन पर भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की अहम जिम्मेदारी होती है। यदि वही भ्रष्टाचार का शिकार हों और उनमें से कुछ भ्रष्टाचार में संलिप्त हो जाएं,तो फिर शिक्षा विभाग के अधिकारियों और नियुक्त शिक्षकों से जिस समाज के निर्माण की कल्पना की जाती है, वह सफेद हाथी की भांति ही होगा। कुछ ऐसा ही पिछ्ली सरकार में देखने सुनने को मिला था, जब शिक्षकों की विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया में जमकर पैसों का खेल हुआ और पदोन्नति उपरांत इच्छित स्थान पर पदस्थापना के लिए करोड़ों का लेनदेन हुआ था, जिसकी शिकायतें भी हुई, शिकायतकर्ता कुछ शिक्षकों को निलंबन की गाज भी झेलनी पड़ी, सरकार ने जांच समिति भी बैठाई और भ्रष्टाचार को सही पाया। परिणाम स्वरुप पिछ्ली सरकार ने भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने के लिए संभाग स्तर के संयुक्त संचालक को निलंबित किया और पदोन्नति उपरांत संशोधन पदस्थापना के माध्यम से जिन शिक्षकों ने लेनदेन कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया था,

उन पर भी कार्यवाही की गाज लटकती रही। चुनाव हुए,सरकार बदली और सरकार के बदलते ही तत्काल पिछ्ली सरकार के भ्रष्टाचार के आरोपियों को क्लीन चिट प्रदान कर दी गई। मामले का लब्बोलुआब यह निकला की पिछ्ली सरकार ने सरगुजा संभाग के जिस संयुक्त संचालक को निलंबित किया था और भ्रष्टाचार में संलिप्त जिन शिक्षकों ने लेनदेन कर काउंसलिंग प्रक्रिया को दरकिनार कर इच्छा अनुसार पदस्थापन ली थी, सत्ता शासन बदलते ही उन्हें मलाई परोस दी गई।

भ्रष्टाचार के इस पूरे मामले को दैनिक घटती-घटना ने लगातार प्रमुखता से उजागर किया था। जिसे तत्कालीन सरकार ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लिया था। मामला इतना हाई प्रोफाइल बन गया था कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री से मंत्रालय तक वापस लेना पड़ा था। और पूरे प्रदेश में इस प्रकार के भ्रष्टाचार को लेकर अनेक कार्यवाही की गई थी। मामला एक व्हाट्सएप चैट से उजागर हुआ था, जिसमें संभाग स्तर पर शिक्षकों की विभागीय पदोन्नति तथा काउंसलिंग के पश्चात पदस्थापना आदेश के पूर्व ही लेन-देन कर सेटिंग करने वाले एक अति उत्साहित शिक्षक ने आदेश पूर्व ही व्हाट्सएप पर पदस्थापन का स्थान वायरल कर दिया गया था। इसके पश्चात दैनिक घटती घटना ने अपने स्तर पर मामले की पूरी छानबीन की थी और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए अनेक तथ्य भी प्रस्तुत किए थे। भ्रष्टाचार कर करोड़ों रुपए लेनदेन कर जूनियर शिक्षकों को इच्छित पदस्थापना स्थापना देने के लिए जो खेल रचा गया था, मामले के उजागर होने के बाद पूरे खेल को सुनियोजित तरीके से बदल दिया गया। ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। और इसके लिए इस प्रकार की पटकथा तैयार की गई की काउंसलिंग प्रक्रिया का तो पालन किया गया,परंतु लेनदेन वाले शिक्षकों को एक दूसरे का स्थान बदलकर पोस्टिंग आदेश जारी किया गया। जिसे संशोधन के माध्यम से सुधार जा सके। कुल मिलाकर पुरी की पूरी काउंसलिंग प्रक्रिया को ही धता बताया गया और बाद में हुआ भी ऐसा भी भ्रष्टाचार में संलिप्त लेनदेन वाले शिक्षकों को आपसी समन्वय के आधार पर उनकी पदस्थापना परिवर्तित की गई।

सरकार बदली तो सब बदला

परंतु इसी बीच चुनाव हुए, सरकार बदली और सरकार के बदलते ही नई सरकार ने भ्रष्टाचार और करोड़ों के लेनदेन के इस मामले को सिरे से खारिज करते हुए शून्य कर दिया। साथ ही सांठ-गांठ वाले शिक्षकों को इच्छा अनुसार पद स्थापना आदेश भी दे दिया गया। और जिस आरोप में संभागीय संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय को निलंबित किया गया था, उसे वर्तमान सरकार ने हाल ही में पुरस्कृत करते हुए पुनः सरगुजा का संयुक्त संचालक बनाकर भेज दिया। पूरे मामले में सबसे ज्यादा नुकसान उन शिक्षकों का हुआ जिन्हें विभागीय पदोन्नति उपरांत काउंसलिंग के माध्यम से स्थान चयन करने का उचित मौका नहीं मिला और मजबूरीवश उन्हें अपनी पदोन्नति त्यागना पड़ा। क्योंकि भ्रष्टाचार कर सर्व सुविधा सुलभ स्थान को या तो काउंसलिंग प्रक्रिया से विलुप्त कर दिया गया, या पैसों का लेनदेन कर उन्हें आरक्षित कर दिया गया था।

भ्रष्टाचार से प्रभावित कुछ शिक्षकों को निलंबित भी कर दिया गया था...

मामले को लेकर जब प्रभावित शिक्षक तत्कालीन संभागीय संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय के कार्यालय शिकायत करने गए तो संयुक्त संचालक द्वारा उन शिक्षकों के साथ अभद्रता पूर्वक व्यवहार किया गया। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था और वायरल वीडियो में अपनी अभद्रता के कारण होने वाली छीछालेदर से निपटने के लिए तत्कालीन संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने भ्रष्टाचार से प्रभावित कुछ शिक्षकों को निलंबित भी कर दिया था। परंतु इस मामले ने ऐसा तूल पकड़ा की तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह को अपना पद तक गंवाना पड़ा था। और सरकार ने अपनी छवि सुधारने के लिए ताबड़तोड़ कार्यवाही की थी। पर समझ में यह नहीं आता की पिछ्ली सरकार ने जिस मामले को भ्रष्टाचार माना था और कार्यवाही सुनिश्चित की थी। सरकार बदलते ही वर्तमान भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों को इच्छा अनुसार पोस्टिंग देकर पुरस्कृत किया, जबकि भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है। वहीं विपक्ष भी सुषुप्त अवस्था में पड़ा हुआ है जिसे जन सरोकारों से कोई लेना-देना नहीं है।

दैनिक घटती-घटना ने मामले को लेकर लगातार प्रमुखता से खबर प्रकाशित की जिस वजह से सरकार को जांच समिति बैठानी पड़ी

दैनिक घटती-घटना ने मामले को लेकर लगातार प्रकाशित करने और प्रमुखता से उठाने के कारण सरकार को जांच समिति बैठाने पड़ी। जिसमें समिति ने यह पाया कि तत्कालीन संभागीय संयुक्त संचालक ने अपने अधिकार से परे जाकर पदस्थापना स्थल में संशोधन किया। जबकि यह अधिकार डीपीआई रायपुर को है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संभागीय संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय को निलंबित कर दिया और लेनदेन द्वारा सांठ-गांठ कर इच्छा अनुसार जगह पाने को प्रयासरत शिक्षकों पर भी कार्यवाही की अनुशंसा कर दी। फल स्वरूप ऐसे शिक्षक चार माह से अवैतनिक और बिना किसी पदस्थापना स्थल के रहे। जिन पर किसी भी क्षण कार्यवाही संभावित थी। क्योंकि विभाग और सरकार का स्पष्ट आदेश था की जिन्हें जहां पर स्थापना मिली है, उन्हें वहीं पर ज्वाइन करना होगा, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी। और उनके आदेश में किसी प्रकार का संशोधन नहीं होगा।

रिसॉर्ट पिस्ता इन के संचालक पर युवती ने लगाया शारीरिक शोषण का आरोप

जीना नहीं चाहती युवती ने पुलिस अधीक्षक से परेशान होकर मांगा न्याय

पटना पुलिस थाना अंतर्गत स्थित पिस्ता इन रिसॉर्ट में काम करने वाली युवती ने पुलिस अधीक्षक को लिखी है चिट्ठी

संचालक ने किया है शारीरिक शोषण,अब थाने से भी न्याय की नहीं है उम्मीद...युवती ने लगाया आरोप

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/पटना
24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस थाना पटना अंतर्गत राष्ट्रीय राज्यमार्ग 43 पर स्थित रिसॉर्ट पिस्ता इन के संचालक पर एक युवती ने शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि संचालक ने युवती का शारीरिक शोषण किया है और अब उसकी पत्नी ने उसे बाहर निकाल दिया है जबकि संचालक ने युवती को अपने ही साथ रिसॉर्ट में रखने का वादा किया था।

युवती ने अपनी लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक को दी है और युवती ने शिकायत में यह भी लिखा है कि वह जीना नहीं चाहती। युवती मामले में न्याय की गुहार लगा रही है पुलिस अधीक्षक से वहीं वह यह भी आरोप लगा रही है कि उसकी सुनवाई पटना पुलिस थाने में नहीं होगी यह संचालक युवती से कहता रहता है। युवती ने पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर न्याय की मांग तो की ही है वहीं उसने जीने की इक्षा नहीं यह भी लिखा है। युवती के आवेदन पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से क्या कार्यवाही हुई यह तो पता नहीं चल सका है लेकिन मामला गंभीर है और महिला अपराध से जुड़ा है। युवती को बताया जा रहा है कि सखी सेंटर ले जाया गया है और यह बात कितनी सच है यह अभी स्पष्ट नहीं है। युवती ने वर्षो से अपने साथ गलत होने की बात कही है। वैसे पिस्ता इन रिसॉर्ट के संचालक को लेकर काफी कुछ सुना जा रहा है कि वह किस तरह मनमानी करने पर उतारू रहते हैं और किस तरह वह रिसॉर्ट में निर्माण करा रहे हैं वहीं इस शिकायत के बाद उन पर कार्यवाही होती है कि नहीं यह भी देखने वाली बात होगी।

सरपंच पति बना लखपति

बेटा मटेरियल सप्लायर बन निकालें लाखों रुपए पती है सरपंच

सरपंच पति है वन समिति का प्रबंधक के पद पर पदस्थ

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां 24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिले के विकास खंड खडगवा मे ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार होना आम बात है यहां कई पंचायतो मे अनियमितताए की शिकायतें होती रहती हैं किंतु कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं होता हैं और उसी प्रकार मामला ठंडे बसते मे डाल दिया जाता है। ग्राम पंचायत पैनारी के ग्रामीणों ने खड़गवां तहसीलदार को लिखित शिकायत की है जिसमें बडकापारा पैनारी में स्वीकृत शासकीय बोर (नलकूप) खनन निजी भूमि पर कराने एवं सरपंच पति नंदकुमार के द्वारा फर्जी बिल लगाकर राशि गबन की शिकायत की गई है।

इस ग्राम पंचायत पैनारी मे भारी भ्रष्टाचार किया गया है इस ग्राम पंचायत पैनारी तत्कालीन सरपंच के द्वारा अपने बेटे निखलेश के नाम से निखलेश कंस्ट्रक्शन के नाम पर जीएसटी नंबर जीएसटी आईएन 22FIIps0082MIZY, लेकर ग्राम पंचायत में मटेरियल के फर्जी बिल लगाकर लाखो रुपए आहरण किया गया है । ग्राम पंचायत पैनारी सरपंच पति नंदकुमार के द्वारा अपने पुत्र निखलेश कंस्ट्रक्शन के नाम से वाणिज्य कार्यालय से जी एस टी का नंबर लेकर सरपंच पति नंदकुमार सिंह के द्वारा ग्राम पंचायत पैनारी के विभिन्न योजनाओं के निर्माण कार्यो मे निखलेश कंस्ट्रक्शन के नाम का जी एस टी बिल लगाकर लाखो रुपये की राशि आहरण किया गया हैं शासन द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजनाओं का यहां जमकर दुरूपयोग किया गया है जो जाच का विषय है और पंचायत में सूचना का अधिकार के तहत जानकारी देने मे भी भर्राशाही बरती जा रही है शौचालय निर्माण भूमि समतलीकरण डबरी निर्माण शेड निर्माण गौठान निर्माण के अलावा पुल पुलिया सी सी सडक निर्माण 14 वित्त 15वित मूलभूत योजना मनरेगा आदि सभी योजनाओं के राशि कि जाच कि जाए तो पंचायत पदाधिकारी पर ठोस कार्यवाही तोतय है खड़गवा जनपद पंचायत के सी ई ओ और मनरेगा के पीओ को भी इस ओर प्रमुखता से ध्यान देना चाहिए कि पंचायत क्षेत्रों में जो निर्माण कार्य कागजों में सही दिखाए जा रहे हैं वह वास्तव धरातल पर सही भी है या नहीं केवल भौतिक सत्यापन मूल्यांकन आफिस में बैठकर करने से नहीं होगा इसके लिए उन्हें क्षेत्र का दौरा कर जाच किये जाने की आवश्यकता है जिससे कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सही लाभ ग्राम वासियों को मिल सके।

फर्जी जीएसटी बिल के जरिए शासन को लगाया जा रहा है लाखो का चूना

मिली जानकारी से पता चला कि सरपंच पति के द्वारा मनरेगा 14 वे वित 15 वे वित्त मूलभूत मनरेगा आदि योजनाओं की राशि में फर्जी जीएसटी बिल लगाकर ग्राम पंचायत से लाखों रूपये का शासन को टैक्स के रूप में लंबी क्षति पहुंचाई है।

अफसरों की मिलीभगत से होता है पूरा फर्जीवाड़ा

जनपद पंचायत खडगवा में ऐसा नहीं है कि इनके कारनामों से सम्बंधित अफसर अनजान हैं पूरा खेल जनपद पंचायत में बैठे अधिकारी की जानकारी में होता है क्योंकि विकासखंड में मनरेगा 14 वित 15 वित मूलभूत के तहत संचालित होने वाले संपूर्णकार्यो की जवाबदेही जनपद पंचायत के अधिकारियों की होती है और अधिकारियों के राज में ग्राम पंचायत के सरपंच जीएसटी नंबर लेकर फर्जी बिल लगाकर कर कार्य कर रहे हैं जबकि ना तो कहीं इनकी दुकान है ना सामाग्री की खरीदी की जाती है सिर्फ फर्जी बिल लगाकर लाखो रुपए राशि आहरण करने का धंधा बडा जोरों पर फलफूल रहा हैं

जनपद पंचायत खड़गवां के अधिकारियों कि मिली भगत से होता है फर्जी जीएसटी का खेल

जबकि कार्यलय सहायक आयुक्त राज्य कर कोरिया वृत मनेंद्रगढ़ से सूचना के अधिकार के तहत दिनांक 10/10/2022 को जानकारी प्राप्त हुई है की निखलेश कंस्ट्रक्शन ग्राम पंचायत पैनारी का जीएसटी नंबर जिसका प्रोपराइटर नंदकुमार सिंह है दिनांक 3/01/2019 से जीएसटी का रजिस्ट्रेशन नंबर समाप्त किया जा चुका है। प्राप्त कार्यलय के दस्तावेज जीएसटी रजिस्ट्रेशन नंबर समाप्त होने का प्रमाण दे रहे हैं। उसके बाद भी ग्राम पंचायत पैनारी के सरपंच पति नंदकुमार सिंह ने ग्राम पंचायत के विभिन्न योजनाओं के निर्माण कार्यो एवं ग्राम पंचायत में विभिन्न उपयोग की समाग्री के फर्जी बिल लगाकर करोड़ों रुपए का आहरण किया गया है जिसके सबूत और प्रमाण इसी ग्राम पंचायत पैनारी के द्वारा प्रमाणित बिलों से हो रहा है।

क्या पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने लड़ेगीं जिला पंचायत सदस्य का चुनाव ?

या महंत और टी एस सिंहदेव के भरोसे केवल बनेंगी फिर से विधानसभा प्रत्याशी ?

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस के कई दिग्गजों को भाग लेना चाहिए ऐसा लोगों का कहना है...

विधायक की दावेदारी करने वाले योगेश शुक्ला को भी इस बार जिला पंचायत चुनाव लड़कर पार्टी को बताना चाहिए कि उनका भी जनाधार कम नहीं है...

योगेश शुक्ला का नाम जनाधार वाले नेताओं में होता है शुमार...

राजनीतिक अस्तित्व बचाने और विधानसभा में दावेदारी बरकरार रखने विधायक भईयालाल राजवाड़े साथ ही वेदांती तिवारी भी लड़ चुके हैं जिला पंचायत सदस्य का चुनाव

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले का असंतुलित विभाजन और पांच सालों का बैकुंठपुर विधानसभा का अनुभवहीन संचालन करने का खामियाजा पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव को भुगतना पड़ा और उन्हें दोबारा विधानसभा चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा और हार भी उनकी ऐतिहासिक रही कांग्रेस पार्टी के लिए कई बार की हार से कई गुना बड़ी रही। हार के बाद की समीक्षा यही रही लोगों की की अंबिका सिंहदेव का एकला चलो का सिद्धांत और बंगाल की राजनीति का अनुसरण करना नुकसानदायक साबित हुआ और एक तरह से उन्हें बैकुंठपुर क्षेत्र की जनता ने नकार दिया और अपने नेतृत्व का जिम्मा छीन लिया। अब आने वाले समय में उन्हें जनता पुनः मौका देगी ऐसा लोग नहीं मानते और न ही उनकी गतिविधि राजनीतिक ऐसा साबित करती है। वैसे बैकुंठपुर विधानसभा की राजनीति जैसी चलती आ रही है उसके अनुसार क्या अंबिका सिंहदेव भी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ेंगी अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने और विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी बरकरार रखने वह जिला पंचायत सदस्य के लिए उम्मीदवारी करेंगी यह सवाल खड़ा हो रहा है।

वैसे लोगों का कहना है कि जैसी परम्परा चली आ रही है उसके अनुसार उन्हे जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ना ही चाहिए और उन्हें पूर्व के दो विधानसभा चुनाव के दावेदारों जिन्हें टिकट भी राष्ट्रीय दलों से मिल चुका है वहीं जिनमें से एक कैबिनेट मंत्री तक का सफर पूरा कर चुके हैं वर्तमान में वह विधायक भी हैं की ही तरह जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़कर साबित करना चाहिए की वह भी क्षेत्र में लोकप्रिय हैं और उनका जनाधार केवल दलीय जनाधार से जुड़ा और वहीं तक सिमटा हुआ नहीं है उनका अपना भी जनाधार है बना है जो उनके पांच सालों के कार्यकाल के दौरान बना जनाधार है। बैकुंठपुर विधानसभा के कई अन्य विधानसभा टिकट के दावेदारों को भी इस बार जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ना चाहिए यह भी लोगों का कहना है और लोगों का कहना की इस तरह ऐसे लोगों को अपना जनाधार साबित कर पार्टी को अपने प्रति आकर्षित करना चाहिए। अन्य विधानसभा टिकट के दावेदारों में योगेश शुक्ला भी इस बार खुद जिला पंचायत चुनाव लड़ें और अपना जनाधार साबित करें यह लोगों की मांग है मंशा है खासकर उनके ही समर्थक अब उनसे यह अपेक्षा रखते हैं। अब देखना है कि क्या विधानसभा टिकट के दावेदार बनते चले आ रहे बड़े नेता कोरिया जिला खासकर बैकुंठपुर विधानसभा में चली आ रही परम्परा का पालन करते हैं और जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़कर अपना जनाधार साबित करते हैं और विधानसभा टिकट के लिए अपनी

विपक्षी दिग्गज नेताओं को सत्तापक्ष को पछाड़ने नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उतरना पड़ेगा

वैसे कोरिया जिले की बात की जाए या पूरे प्रदेश की यदि सत्ताधारी दल के दिग्गज नेताओं को पछाड़ने जो फिलहाल निर्वाचित हैं बड़े पदों पर आसीन है की मंशा विपक्षी नेताओं खासकर उन नेताओं की जो विधायक बनना चाहते हैं की है तो उन्हें नगरीय निकाय चुनाव और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उम्मीदवारी करनी होगी और उन्हे अपनी अपनी दावेदारी मजबूती से पार्टी के सामने रखने चुनाव जीतकर जनाधार भी अपना साबित करना चाहिए। विपक्ष के बड़े नेता सीधे ही विधायक बन जाएंगे या पार्टी उन्हें टिकट दे देगी यह उन्हें अब भ्रम या ऐसी सोच का का उन्हें त्याग करना होगा और नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में दावेदारी उम्मीदवारी करके अपने जनाधार को और भी मजबूत करना होगा। कोरिया जिले में खासकर बैकुंठपुर विधानसभा जो अब इकलौता भी है जिले का विधानसभा में कांग्रेस से कई दावेदार आने वाले विधानसभा चुनाव में सामने होंगे इसलिए सभी दावेदारों को अभी से ऐसे चुनावों में उम्मीदवार बनकर अपनी योग्यता और जनाधार को रिचार्ज करना चाहिए। अंबिका सिंहदेव,योगेश शुक्ला, अपने जनाधार को मजबूत रखने और पार्टी को अपनी योग्यता जनाधार साबित करने जिला पंचायत का चुनाव लड़ने की जरूरत है ऐसी चर्चा अब लोगों के बीच आम भी है।

यदि योगेश शुक्ला लड़ते हैं तो उनका यह पहला चुनाव होगा

योगेश शुक्ला ने सरकारी नौकरी का त्याग किया और राजनीति में प्रवेश करके उन्होंने विधानसभा तक जाने का सपना देखा यह सभी जानते हैं लेकिन उन्होंने आज तक एक भी चुनाव नहीं लड़ा यह भी लोग जानते हैं। यदि इस बार वह जिला पंचायत का चुनाव लड़ते हैं तो यह उनका पहला चुनाव होगा यह भी सभी जानते हैं। वैसे वह चुनाव यदि लड़ते हैं तो इस बार उनके लिए संयोग भी बढ़िया बन रहा है जो संभावनाओं अनुसार बन रहा संयोग है,इस बार बताया जा रहा है कि उनका खुद का ग्राम क्षेत्र अनारक्षित श्रेणी का जिला पंचायत क्षेत्र सदस्य चुनाव के लिए होगा जो उनके लिए सुखद संदेश होगा ऐसा कहा जा सकता है। वैसे वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं यह उनके ऊपर निर्भर है लेकिन वह यदि विधानसभा के दावेदारों में शुमार रहना चाहते हैं तो उन्हें जरूर चुनाव लड़ना चाहिए यह उनके ही समर्थक मानते हैं क्योंकि बैकुंठपुर विधानसभा की यही परम्परा रही है।

यदि अंबिका सिंहदेव,वेदांती तिवारी व योगेश शुक्ला जिला पंचायत चुनाव लड़ते हैं तो विपक्ष की सरकार बन सकती है

जिला पंचायत सदस्य चुनाव के लिए यदि पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव,वेदांती तिवारी,योगेश शुक्ला यदि स्वयं मदन में बतौर प्रत्याशी उतरते हैं और तीनों जीतते हैं तो 10 में से सात आठ सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों का कब्जा हो सकता है और अध्यक्ष उपाध्यक्ष भी कांग्रेस बना सकती हैं,यदि ऐसा समीकरण तैयार होता है तो बीजेपी को जिला पंचायत चुनाव में हर का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि यह तीनों अपने आप में जानाधार वाले नेता हैं और इसे मिनी विधानसभा मानकर चुनाव लड़ेंगे तो आगे वाले विधानसभा व लोकसभा के लिए भी दावेदारों सूची में बने रहेंगे।

अंबिका सिंहदेव बिना छोटे चुनाव जीते ही बनी थी विधायक जिसका परिणाम नहीं संभला विधानसभा

कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव पैराशूट वाली विधायक ही कही जाएगी क्योंकि सीधे इनका आगमन विधायक प्रत्याशी के तौर पर हुआ और इन्हें चुनाव की जानकारी न होने की वजह से हार नहीं मिली,भाजपा के विधायक भईयालाल राजवाड़े का विरोध की वजह से इन्हें जीत मिली थी जो इनके लिए जैकपोट जैसा साबित हुआ था, यदि यह छोटा चुनाव जीत कर आई होतीं तो इन्हें कई तरह के अनुभव होते जिस अनुभव का यह लगातार विधायक बने रहने में उपयोग करती?

क्या दोनों राष्ट्रीय पार्टियों में सत्ता आने पर विरोध न करने का समझौता हुआ है ?

वैसे कोरिया जिले में दोनों ही राष्ट्रीय पार्टी एक दूसरे के लिए सहयोगी बनकर काम करती नजर आती हैं। ऐसा लगता है कि दोनों का आपसी समझौता है कि एक दूसरे का विरोध उन्हें नहीं करना है। सत्ता में जब कांग्रेस थी तब भाजपा का रुख आक्रमक नहीं था वहीं अब कांग्रेस का रुख शांत है।

प्रतापपुर में विधायक और पार्षद ने महिलाओं को वितरित किया योगा किट

स्वस्थ जीवनशैली के लिए दिया संदेश

-संवाददाता-
प्रतापपुर 24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

आज नगर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते और पार्षद अरविंद जायसवाल ने योगा करने वाली महिलाओं को योग सामग्री की किट प्रदान की। यह आयोजन संस्कृतिक भवन, प्रतापपुर में किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग के महत्व को बढ़ावा देना और महिलाओं को प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने योग के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, ÷योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति प्रदान करता है। यह विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने में सहायक है। मेरा संदेश है कि हर महिला गांव-गांव में योग के महत्व को फैलाए और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाए।÷ उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सभी को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे योग अवश्य करना चाहिए।

योग भवन की मांग पर विधायक का आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान, महिलाओं ने नियमित योगाभ्यास के लिए एक समर्पित भवन की मांग की। विधायक ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने योगा करने वाली महिलाओं की सराहना करते हुए कहा, ÷आप सभी नगर की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। आपके प्रयासों से निश्चित ही समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

महिलाओं ने किया गर्मजोशी से स्वागत

विधायक और पार्षद का महिलाओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्षद अरविंद जायसवाल ने कहा, ÷आपका कार्य न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक है। हम भविष्य में भी जरूरत की सामग्री और अन्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

महिलाओं में उत्साह

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से जुड़ी महिलाएं भी कार्यक्रम में शामिल हुई और विधायक के प्रयासों की सराहना की। महिलाओं ने इस अवसर पर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और अधिक से अधिक महिलाओं को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया।

उल्लेखनीय उपस्थिति

इस कार्यक्रम में अवधेश पांडे, विनोद जायसवाल, चंद्रमणि गर्ग, राधा देवी, कविता गर्ग, अफसाना कुरैशी, रेखा गर्ग, संगीता श्रेष्ठ, लीलावती जायसवाल, दीपा गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, ज्योति गुप्ता, संध्या सोनी, चांदनी गर्ग, अनन्या जायसवाल समेत सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प लिया।

पुलिसवाला गुंडा की कहानी चरितार्थ करती बिजुरी पुलिस

माखन तिवारी सनातनी की गिरफ्तारी से उठ रहे कई सवाल...खाकी को जब-जब मिला खादी का संरक्षण हो गई बेलगाम

पुलिस की खलनायक वाली भूमिका को लेकर आम जनता में सबसे फेमस शब्द अगर कोई है तो वह है पुलिस वाला गुंडा। इस नाम से जहां कई फिल्में बन चुकी हैं वही प्रसिद्ध उपन्यासकार वेद प्रकाश शर्मा की उपन्यास आते ही लाखों की संख्या में बिक गई थी। यही नहीं पुलिस की खलनायक की भूमिका से चिंतित हाई कोर्ट इलाहाबाद और सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के कई जजों ने भी तीखी टिप्पणियां की थी। अब वही पुलिस वाले गुंडा की कहानी एक बार बिजुरी थाने में चरितार्थ होती दिख रही है जो इस समय जनता के बीच में चर्चा का विषय है।

-बागी कलम-
अनूपपुर 24 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

किसी ने सच ही कहा है कि अगर पुलिस अपने कर्तव्य के प्रति सजग रहे तो एक सुई की भी चोरी नहीं हो सकती। वही यह भी कहा और लिखा गया है कि अगर पुलिस अपनी मनमानी, तानाशाही पर उतर आए तो उससे बड़ा कोई गुंडा नहीं हो सकता। सच यही है और इस समय बिजुरी थाना में चरितार्थ भी हो रहा है, बिजुरी थाना पुलिस या यह कहा जाए कि यहां के थाना प्रभारी ने माखन तिवारी को इसलिए संगीन धाराओं में गिरफ्तार कर के जेल भेज दिया क्योंकि माखन तिवारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से बिजुरी पुलिस और अपराधियों व माफियाओं के साँठ गांठ का खुलासा करते हुए कई लाइव वीडियो शोशल मिडिया में जारी किया था और थाने के सामने धरना देने की भी चेतावनी दी थी।

घटती घटना | अम्बिकापुर, रविवार 24 नवम्बर 2024 | 5

तो...अवैध कारोबारों पर आवाज़ मुखर करना युवक को पड़ गया भारी

तो.! अब रक्षक ही बन गए भक्षक

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि बिजुरी पुलिस की भूमिका रक्षक से ज्यादा भक्षक की हो चुकी है और यह भी तय है कि इस थाना क्षेत्र में अपराधियों माफियाओं के साथ गलबहिया करती घूम रही पुलिस को जनता के द्वारा ऐसे ऐसे शब्दों से नवाजा जाता है कि सुनकर भी अच्छा नहीं लगता। लेकिन आम जनता के लिए निस्वार्थ सेवा भाव के कर्तव्य से दूर होती जा रही बिजुरी पुलिस ने अब जिस तरह से सारे नियम कानून को ठेंगे पर रख माखन तिवारी को एक ऐसी संगीन अपराध में जेल भेज दिया जिसमें उसकी भूमिका दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आ रही थी लेकिन नायक की जगह खलनायक बन ऐसे ही किसी कारनामों को अंजाम देकर अपने खिलाफ उठ रही आम जनता की आवाज को कुचलकर दबा दिया गया।

जनप्रतिनिधियों के मुंह पर लगा ताला

जिस तरह आजाक थाने में पड़े एक पुराने मुकदमे में माखन तिवारी को 164(ख) के बयान के आधार पर गिरफ्तार करके संगीन अपराधों में जेल भेज दिया गया। उसके बाद तो इस क्षेत्र की जनता यह कहने को मजबूर हो रही है कि एक तो राजा इंद्र दूसरे हाथ में ब्रज और यही कारण है कि अब इस क्षेत्र की जनता पुलिसिया खौफ के आतंक में जीने को मजबूर हो रही है। आम लोगों का कहना है कि लोकतांत्रिक देश में किसी की आवाज को इस तरह से कुचलना अंग्रेजी हुकूमत की याद ताजा कर रही है और इन सब में प्रमुख बात यह है कि पुलिस के इस तानाशाही, गुंडागर्दी के खिलाफ इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के मुंह पर लगा ताला जनता को इस क्षेत्र की जनता अब यह भी कहने को मजबूर है कि जब-जब खाकी को खादी का संरक्षण मिल तब-तब वह बेलगाम हो जाती है।

जिम्मेदार धृतराष्ट्र की भूमिका में...संवैधानिक घोषणाओं और गारंटियों के बावजूद गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए व्यक्तियों को प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल पाती है जो उनके लिए बेहद नुकसानदायक साबित होता है। वर्तमान समय में पुलिसवाला गुंडा की भूमिका में नजर आ रहे थाना प्रभारी बिजुरी की बेलगाम हो चुकी गतिविधियों पर स्थानी जनप्रतिनिधि खामोश है जो इस क्षेत्र की जनता के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। यही नहीं जिस तरह से माखन तिवारी नामक व्यक्ति को बिजुरी पुलिस ने एक पुराने मुकदमे को आधार बनाकर संगीन अपराधों में जेल भेज दिया है उस पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की खामोशी ने उन्हें भी धृतराष्ट्र की भूमिका में लाकर खड़ा कर दिया है तो गलत नहीं है।

खेल की संक्षिप्त खबरें

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 24 नवंबर 2024 । पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा आईपीएल 2025 के मेगा नीलामी में टीम इंडिया के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने धमाल मचा दिया है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे मंहगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, इस कड़ी में उन्होंने पिछले साल मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है।

यशस्वी जायसवाल ने किया कमाल

15 वें टेस्ट में ही कर ली गौतम गंभीर की बराबरी

पर्थ, 24 नवंबर 2024 । पर्थ टेस्ट मैच में टीम इंडिया का दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। पहली पारी में जहां क्रेडिट कप्तान जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी को जाता है उतना ही क्रेडिट दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल की बल्लेबाजी को भई जाता है। जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली। यशस्वी जो पहली पारी में बिना खाता खोले आउट हुए थे, उन्होंने दूसरी पारी में सारी कसर निकाल दी। साथ ही टीम इंडिया को केएल राहुल के साथ मिलकर मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसी के साथ जायसवाल ने दूसरे दिन 150 रनों का आकंड़ा पार किया। इस दौरान उन्होंने 15वें टेस्ट मैच में ही एक खास क्लब में पहुंच गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल को 14 करोड़ में खरीदा

सीएसके भी लड़ी; आरसीबी ने कितना दांव लगाया

नई दिल्ली, 24 नवंबर 2024 । टीम इंडिया के नए संकट मोचक और आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व कप्तान केएल राहुल आईपीएल 2025 में एक नई टीम से खेलते दिखेंगे. हालांकि, वो नई टीम आरसीबी नहीं है. आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा है. नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने भी राहुल को खरीदने की कोशिश की. चेन्नई ने राहुल के लिए 13.75 करोड़ रुपये तक बोली लगाई. वहीं आरसीबी ने काफी पहले ही हाथ खड़े कर दिए. आरसीबी ने राहुल के लिए 10.50 करोड़ रुपये तक की बोली लगाई.

ऋषभ पंत सबसे महंगे, श्रेयस अय्यर को भी मिली मोटी रकम

कोलकाता को पिछले साल चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को भी आईपीएल 2025 की नीलामी में काफी मोटी रकम मिली. अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ की मोटी रकम में खरीदा. अब ऋषभ पंत आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं. वहीं श्रेयस अय्यर दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं. इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी टीमों ने रिलीज किया था. श्रेयस अय्यर को केकेआर ने रिलीज किया था तो ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज किया था. अब अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ में और ऋषभ पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ में खरीदा है. माना जा रहा है कि इन दोनों ही खिलाड़ियों को टीम की कप्तानी मिल सकती है.

जोस बटलर 15.75 करोड़ में बिके

इंग्लैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को खरीदने के लिए कई टीमों के बीच होड़ दिखी. हालांकि, अंत में गुजरात टाइटंस ने इस स्टार ओपनर को 15.75 करोड़ रुपये में खरीदा. पिछले सीजन तक बटलर राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे. जोस बटलर को खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी बड़ी बोली लगाई. लखनऊ और गुजरात के बीच जबरदस्त जंग दिखी. हालांकि, अंत में गुजरात वाले बटलर को खरीदने में सफल रहे. लखनऊ ने इस खिलाड़ी के लिए 15.25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी. पर साफ दिख रहा था कि गुजरात टाइटंस पहले से इस खिलाड़ी को खरीदने की प्लानिंग कर रहे थे.

जोकोविच ने एंडी मरे को नया कोच नियुक्त किया

लंदन, 24 नवंबर 2024 । लगभग एक दशक तक अपने साथ कई कठिन मुकाबले लडऩे के बाद, पूर्व विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच ने अपने एक समय के प्रतिद्वंद्वी एंडी मरे को ऑस्ट्रेलिया में 2025 सीजऩ के पहले ग्रैंड स्लैम के लिए अपना कोच नियुक्त किया है।

सर्बिया के 37 वर्षीय जोकोविच ने शनिवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि लंबे समय से दोस्त और प्रतिद्वंद्वी एंडी मरे मेलबर्न में अगले ऑस्ट्रेलियन ओपन से उनके नए कोच होंगे। मरे ने इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। मई 1987 में एक सप्ताह के अंतर से जन्मे, दोनों एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर चढ़े और दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर मुकाबला किया, जोकोविच और मरे 36 एटीपी हेड-टू-हेड शोडाउन में भिड़े, जिनमें से पूर्व ने 25 जीते। वे 19 फाइनल में मिले, जिसमें सात मेजर में चैंपियनशिप मैच और 2016 एटीपी फाइनल्स शामिल हैं। वे हाल ही में 2017 दोहा फाइनल में खेले थे।

अपने सोशल मीडिया चैनल पर एक वीडियो संदेश में अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए, जोकोविच ने कहा, हमारे खेल में हमारे बीच कुछ सबसे शानदार मुकाबले हुए। उन्होंने हमें गेम-चेंजर, जोखिम लेने वाले और इतिहास बनाने वाले कहा। मुझे लगा कि हमारी कहानी खत्म हो गई है। लेकिन पता चला कि इसमें एक अंतिम अध्याय है। अब समय आ गया है कि मेरे सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक मेरे हिस्से में कदम रखे। कोच एंडी मरे का स्वागत है।

जोकोविच ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार कहा, मैं अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक को अपनी टीम में, नेट के एक ही तरफ, इस बार अपने कोच के रूप में पाकर उत्साहित हूं। मैं एंडी के साथ सीजन की शुरुआत करने और मेलबर्न में उनके साथ रहने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जहां हमने अपने करियर के दौरान कई असाधारण पल साझा किए हैं। मरे भी साझेदारी को लेकर उत्साहित थे। मरे ने कहा, मैं तैयारी के दौरान नोवाक की टीम में शामिल होऊंगा और उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए सर्वश्रेष्ठ संभव आकार में लाने में मदद करूंगा।मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और बदलाव के लिए नेट के एक ही तरफ होने का इंतजार कर रहा हूं। मैं आने वाले वर्ष के लिए उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी सहायता करने के अवसर के लिए भी आभारी हूं।

इन्फोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार 2024 में जोकोविच ने 37-9 मैच रिकॉर्ड दर्ज किया। जनवरी में वह 100 करियर खिताब तक पहुंचने के लिए 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने का प्रयास करेंगे।

जोकोविच ओपन एरा में सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी हैं, जिन्होंने रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जबकि 37 वर्षीय मरे ने 2013 और 2016 में विंबलडन खिताब सहित तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। रोजर फेडरर और राफेल नडाल के साथ वे दोनों कई वर्षों तक टेनिस के फैब फोर का हिस्सा रहे।

जॉर्डन कॉक्स अंगूठे में चोट के कारण न्यूजीलैंड में इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,24 नवंबर 2024 । विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स अंगूठे में चोट के कारण न्यूजीलैंड में इंग्लैंड की आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं, साथ ही टीम ने कहा कि उनके प्रतिस्थापन की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। कॉक्स, जिन्होंने पहले इंग्लैंड के लिए वनडे और टी20 मैच खेले हैं, अगले सप्ताह क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में सीरीज के पहले मैच में जेमी स्मिथ की जगह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले थे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं।लेकिन सर जॉन डेविस ओवल में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दौरे के मैच के दूसरे दिन खेलने से पहले स्पिन-गेंदबाजी कोच जीतन पटेल से थ्रोडाउन का सामना करते समय इंग्लैंड के नेट सत्र में उनके दाहिने अंगूठे में चोट लग गई।हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने एक बयान में कहा, मैं जॉर्डन (कॉक्स) के लिए दुखी हूं। न्यूजीलैंड आने के बाद से ही वह बल्ले और दस्ताने दोनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। यही खेल है और दुर्भाग्य से ऐसी चीजें होती रहती हैं। हम उसके साथ रहेंगे और उसकी देखभाल करेंगे। वह लचीला है और भविष्य में कभी न कभी उसका समय आएगा।

दो भारतीयों के बीच शतरंज विश्व खिताब के लिए मुकाबले से हैरानी नहीं होगी

सिंगापुर, 24 नवंबर 2024 । रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने कहा कि उन्हें निकट भविष्य में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के खिताब के लिए दो भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखकर आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि इस खेल में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के डी गुकेश सोमवार से शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन चीन के डिंग लिरेन का सामना करने के लिए तैयार हैं। दो भारतीयों के खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर स्विडलर ने शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे से कहा, ''निश्चित रूप से यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।''

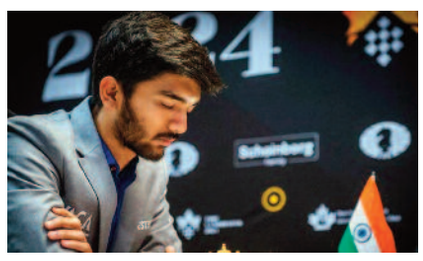

उन्होंने कहा, ''विश्व चैंपियनशिप मैच के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल है। यहां तक कि इस साल अर्जुन (एरिगेसी) जैसे खिलाड़ियों का दबदबा रहा, वह जहां भी खेला काफी अंक जुटाए, वह बिल्कुल अविश्वसनीय है लेकिन वह भी विश्व चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं है।''

स्विडलर ने कहा कि हालांकि विश्व चैंपियनशिप 'अतिरिक्त दबाव' लाती है लेकिन अगर भारतीय खिलाड़ी कम से कम अगले डेढ़ दशक तक प्रतिस्पर्धा में बने रहते हैं तो यह 'आश्चर्य' नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले तो उसे (अर्जुन को) अब भी (विश्व चैंपियनशिप) चक्र के लिए क्वालीफाई करना है। उसके पास बहुत सारे सर्किट अंक हैं और वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है लेकिन फिर भी जब चक्र की बात आती है तो कुछ भी गारंटी नहीं है।''

स्विडलर ने कहा, ''इसलिए आप कभी नहीं कह सकते कि यह निश्चित रूप से होगा। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर अर्जुन या प्राग (आर प्रज्ञानानंदा) अगले चक्र या उससे अगले चक्र के लिए क्वालीफाई करते हैं। वे अगले 10-15 वर्षों तक दावेदार रहेंगे, मुझे ऐसा लगता है, हालांकि उन्हें गंभीरता से शतरंज खेलना जारी रखना होगा।'' स्विडलर का मानना है कि लिरेन अपने शिखर से बहुत दूर है।

दिल्ली कैपिटल्स के नए कोच सुर्खियों में आये बिना टीम के लिए काम करना चाहते हैं

नई दिल्ली, 24 नवंबर 2024 ।दिल्ली कैपिटल्स के नवनियुक्त मुख्य कोच हेमांग बदानी सुर्खियों में रहे बिना शांतचित तरीके से काम कर टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सफलता दिलाना चाहते हैं। बदानी ने आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की बड़ी नीलामी से पहले यहां कहा, '' मैंने यहां आने के लिए अपनी योग्यताएं अर्जित की हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छे निर्णय लेने के साथ अच्छी चीजें कर सकूंगा।''

कृष्णप्पा गौतम ने कहा पंजाब किंग्स के लिए नहीं चाहता खेलना

नई दिल्ली, 24 नवंबर 2024 । आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में शुरू होने में बस कुछ ही समय है, लेकिन उससे पहले कर्नाटक के ऑलराउंडर ने बड़ा खुलासा किया है। दरअल, कर्नाटक के ऑलराउंडर कृष्णप्पा गौतम ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि पंजाब किंग्स उनको ऑक्शन में खरीदे। के गौतम का अच्छा अनुभव पंजाब किंग्स के साथ नहीं रहा। इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि आप किस एक टीम के लिए नहीं खेलना चाहते हैं? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि, मैं पंजाब किंग कहूंगा। मैं बहुत ईमानदारी से कह रहा हूं। कारण ये है कि मेरा उनके साथ कभी अच्छा अनुभव नहीं रहा।

गौतम ने कहा कि क्रिकेट से इतर भी कई कारण हैं जिनकी वजह से वह मोहाली फ्रेंचाइजी के लिए नहीं खेलना चाहते।

उन्होंने कहा कि, और भी कई चीजें हैं, ये सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है और भी कई चीजें हैं। मैं एक क्रिकेटर के तौर पर जिस तरह से व्यवहार चाहता हूं वैसा नहीं रहा। मुझे लगता है कि मैं अपनी आस्तीन पर बहुत कुछ पहनता हूं जब मैं किसी टीम के लिए खेलता हूं तो मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देता हूं, मैदान पर 100 प्रतिशत से भी ज्यादा। मैं कभी कुछ नहीं छिपाता, लेकिन अगर पंजाब मुझे चुनती है तो उन्हें 100 प्रतिशत से ज्यादा नहीं दूंगा।

कृष्णप्पा गौतम ने आईपीएल में कुल 36 मैच खेले हैं। बतौर बल्लेबाज वे 167 के करीब के स्ट्राइक रेट से 247 रन बना पाए हैं, जबकि 8.24 की इकॉनमी रेट से उनको 21 विकेट मिले हैं। के गौतम इसस बार भी ऑक्शन हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि पंजाब किंग्स उनका ना खरीदे।

पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग किसिक की रिलीज डेट से उठा पर्दा

अल्लू अर्जन संग धमाल मचाएंगी श्रीलीला

पुष्पा 2: द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है. मिश्री मूवी मेकर्स ने फिल्म के नए गाने किस्सिक' का प्रोमो रिलीज कर दिया है। इस गाने में आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और श्रीलीला की जबरदस्त परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी, जिसने रिलीज से पहले ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।गाने का प्रोमो रिलीज करते हुए मिश्री मूवी मेकर्स ने लिखा आइकन स्टार की सिजलिंग केमिस्ट्री आपको हैरान कर देगी, किस्सिक अपने हाई-एनर्जी डांस मूव्स और कैच साउंडट्रैक के लिए पहले ही सुर्खियां बटोर चुका है, देवी श्री प्रसाद के संगीत से सजे इस गाने को फैंस से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, फैंस का कहना है कि अल्लू अर्जुन और स्रीलीला की जोड़ी ने गाने में जान डाल दी है। पुष्पा फ्रेंचाइज़ी का पहला भाग ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था, और अब पुष्पा 2 द रूल से भी दर्शकों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। किस्सिक गाने को फिल्म का हाइलाइट माना जा रहा है, और यह निश्चित रूप से चार्टबस्टर बनने जा रहा है। बता दें, किसिक सॉन्ग 24 नवंबर को शाम 7.02 बजे रिलीज हुआ है। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मिश्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है, जबकि संगीत का जिम्मा टी-सीरीज़ ने संभाला है।

सिद्धार्थ स्टारर मिस यू का टीजर रिलीज

सिद्धार्थ मिस यू का टीजर रिलीज हो गया है। सिद्धार्थ, अदिति राव हैदरी के साथ अपनी वास्तविक जीवन की परीकथा जैसी शादी के बाद, अपनी आगामी फिल्म मिस यू के साथ एक बार फिर दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। यह रोमांटिक ड्रामा, जिसे गर्मी के दिन की हल्की हवा होने का वादा किया गया था, अपने हाल ही में जारी टीजर के साथ ही चर्चा का विषय बन गया है।विजय सेतुपति द्वारा जारी किया गया टीज़र भावनाओं और प्रत्याशा की दुनिया की एक आकर्षक झलक है। सिद्धार्थ, जो अपनी आकर्षक और संयमित अपील के लिए जाने जाते हैं, एक ऐसी भूमिका में पूरी तरह से ढले हुए लगते हैं जो दिल को छू लेने का वादा करती है। आशिका रंगनाथ के साथ उनकी केमिस्ट्री स्पष्ट है, जो एक ऐसी प्रेम कहानी की ओर इशारा करती है जो दर्शकों को पसंद आएगी।निर्देशक राजशेखर, एक प्रतिभाशाली तमिल फिल्म निर्माता, फिल्म में एक अनूठा दृष्टिकोण लेकर आए हैं, जो टीज़र के शानदार दृश्यों और रोमांटिक क्षणों में स्पष्ट है। सिद्धार्थ का स्टाइलिश लुक और आशिका की आकर्षक उपस्थिति एक आकर्षक दृश्य जोड़ी बनाती है। टीज़र सिर्फ़ एक पूर्वावलोकन से कहीं ज़्यादा है;यह एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा है, जो दर्शकों को 29 नवंबर को फ़िल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कराता है।प्रशंसक पहले से ही फ़िल्म के कथानक के बारे में अनुमान लगा रहे हैं, लेकिन एक बात पक्की है मिस यू एक ज़रूर देखने वाली फ़िल्म होने का वादा करती है। टीज़र ने सफलतापूर्वक एक दिल को छू लेने वाली और आकर्षक कहानी के लिए मंच तैयार किया है, जो दर्शकों को स्क्रीन पर प्रेम कहानी को देखने के लिए उत्सुक बनाता है। जबकि प्रत्याशा हमेशा यात्रा का हिस्सा होती है, उम्मीद है कि मिस यू हमें बहुत लंबा इंतज़ार नहीं करवाएगी - क्योंकि एक अच्छी फ़िल्म का इंतज़ार करना प्यार के इंतज़ार जैसा है- यह हमेशा आपकी अपेक्षा से ज़्यादा लंबा लगता है!

शादी के बाद सेट पर पहुंचीं सुरभि ज्योति

सबसे खुश दिखीं तो फैंस बोले-माशाअल्लाह

न्यूली वेड टीवी जगत की स्टाइलिश और खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जो शूटिंग सेट का है। इसमें नागिन' स्टार काफी खुश नजर आ रही हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सुरभि ज्योति ने लिखा सेट पर सबसे खुश। वीडियो मोंटाज में अभिनेत्री कई खूबसूरत लिबास में सादगी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। प्रशंसक उनकी पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं।एक प्रशंसक ने कैप्शन में लिखा माशाअल्लाह मेरी प्रिंसेज, एक अन्य ने लिखा अब आपकी वापसी हो गई, हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दूसरे ने लिखा आप हर लुक में कमाल की लगती हैं। बता दें कि अभिनेत्री पिछले महीने 27 अक्टूबर को बॉयफ्रेंड सुमित सूरी संग शादी के बंधन में बंधी थीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें प्रशंसकों के साथ शेयर की थी। इस विवाह के गवाह दोनों के करीबी रिश्तेदार और दोस्त बने थे।अभिनेत्री ने शादी की तस्वीरों के साथ हल्दी, मेंहदी, म्यूजिक नाइट्स समेत कई रस्मों की तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें पहली रसोई की तस्वीरें भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पहली रसोई में हलवा बनाया था।सुरभि ने पंजाबी फिल्मों इक कुड़ी पंजाब दी', रौला पै गया' और मुंडे पटियाला दे' के साथ-साथ पंजाबी टीवी सीरीज अखियां ते दूर जाए ना' में भी काम किया है। सुरभि रोमांटिक-ड्रामा कुबूल है' में जोया फारूकी की भूमिका निभाने के बाद घर-घर लोकप्रिय हो गई थीं, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। नागिन 3' में उन्होंने नागिन का किरदार निभाया था, जिसमें उनका नाम बेला' था।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और इसी कड़ी में उन्होंने शादी के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संग मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। उनके साथ पति सुमित सूरी भी थे। अभिनेत्री ने तस्वीरों संग कैप्शन में सीएम को धन्यवाद देते हुए लिखा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपके बहुमूल्य समय, समर्थन और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।शेयर की गई तस्वीर में सुरभि के साथ उनके पति खड़े हैं और वह हंसते हुए धामी संग तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान न्यूली वेड कपल ने खूबसूरत पोज दिए। धामी सुरभि और सुमित को फ्लावर बुके देते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सुरभि और सुमित दोनों ऑफ व्हाइट रंग की पोशाक पहने नजर आ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जेलों में चलेगा आपरेशन क्लीन

» छत्तीसगढ़ की जेलों में सुधार के लिए रायपुर से शुरू होगा आपरेशन क्लीन...

» हिस्ट्रीशीटरों और आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी...

» जेल परिसर में बंदियों से मिलने आने वालों की होगी तस्दीक...

रायपुर,24 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की जेलों के बिगड़े हालात को सुधारने की कवायद तेज हो गई है। जेल विभाग डीजी हिमांशु गुप्ता ने राज्य की जेलों में सुधार के लिए अब आपरेशन क्लीन चलाने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल इस आपरेशन की शुरूआत रायपुर सेंट्रल जेल से की जाएगी। बाद में इसे प्रदेशभर की जेलों में लागू किया जाएगा। जेल के अधिकारियों ने बताया कि जेल में बंद हिस्ट्रीशीटरों, आदतन बदमाशों पर सख्ती बरती जाएगी, ताकि जेल की चार दिवारी के भीतर किसी तरह की घटना न हो सके। साथ ही हिस्ट्रीशीटरों से मिलने आने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जाएगी।

अब तक जेल परिसर में बंदियों से मिलने के लिए स्वजनों के साथ रिश्तेदार, दोस्त आदि आकर भीड़ लगाए रहते हैं। इस पर भी सख्ती बरती जाएगी। बिना टोकन के परिसर में घूमने वालों को पकड़कर पुलिस थाने को सौंपा जाएगा। पिछले दिनों ही जेल के बाहर गोली कांड की घटना के बाद जेल प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखकर आपरेशन क्लीन चलाने का फैसला लिया है।

सेल और बैरकों की होगी साफ-सफाई

जेल की व्यवस्था सुधारने के लिए अब हर हफ्ते सेल और बैरकों की साफ-सफाई भी किया जाएगा। इससे यह होगा कि संदिग्ध वस्तुओं को आसानी से निकाला जा सकेगा। जेल अधिकारियों के मुताबिक हर हफ्ते रविवार को आपरेशन क्लीन अधिकारियों की मौजूदगी में चलाकर बंदियों की बैरकों खाली कराकर उसकी साफ-सफाई की जाएगी। इसके पीछे मकसद यह है कि बंदियों की बैरक साफ होने के साथ-साथ प्रतिबंधित सामानों को भी आसानी से बाहर निकाला जा सकेगा। आपरेशन क्लीन जेलों में शुरू कराने को लेकर जेल डीजी हिमांशु गुप्ता लगातार दौरा भी कर रहे है।

मिल चुके है संदिग्ध वस्तुएं

जेल के बैरकों की आकस्मिक जांच के दौरान कई चम्मच भी मिल चुके है,जिन्हें चाकू की तरह धारदार बनाकर हिस्ट्रीशीटर बंदियों ने छिपाकर रखा था। यहीं नहीं तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट समेत अन्य संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हो चुके है।

मुलाकाती कक्ष में अब यह व्यवस्था

जेल बंदियों से मिलने आने वाले उनके स्वजनों के लिए जेल प्रशासन ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत हर हफ्ते केवल एक बार ही बंदियों से उनके स्वजन मिल सकेंगे। मुलाकात कक्ष में आने वाले को टोकन दिया जाएगा। इसी के आधार पर बारी-बारी से मुलाकात कराया जाएगा। अब तक कोई भी बंदियों से मिलने पहुंच जाता था,इसे रोकने जेल प्रशासन ने स्वजनों और रिश्तेदारों का आइडी प्रूफ लेकर इसकी तस्दीक करने के बाद ही मिलने की अनुमति देगा। इसके आलावा बिना टोकन के परिसर में किसी को घुसने की अनुमति नहीं होगी।

सीएम के मीडिया सलाहकार की कांग्रेस को नसीहत

» एक नया 'बैलेट जेहाद' पैदा करने की कोशिश तो करे ...

रायपुर,24 नवम्बर 2024(ए)। कांग्रेस नेताओं के ईवीएम पर सवाल उठाने की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर सुझाव दिया है कि आज भी अपनी सरकारों का इस्तीफा दिलाकर कांग्रेस एक नया 'बैलेट जेहाद' पैदा करने की कोशिश करे, तो उसकी थोड़ी बहुत साख फिर भी बहाल हो सकती है।पंकज झा ने एक्स पर लिखा है कि अगर कांग्रेस को सचमुच ईवीएम से समस्या है तो उसके लिए सबसे बड़ा अवसर 2018 का विधानसभा चुनाव था। मात्र एक काम करना होता उसे और ऐसी नैतिक शक्ति पैदा होती कि फिर ईवीएम को हटा कर मतपत्रों से चुनाव कराने के अलावा सिस्टम के पास कोई विकल्प ही नहीं बचता।करना मात्र इतना था कि 2018 में तीन राज्यों में ऐतिहासिक जीत में बाद कांग्रेस का नेतृत्व सामने आ कर यह कह देता कि भले वह जीत गया है लेकिन क्योंकि ईवीएम में उसका विश्वास नहीं है, इसलिए उसके सभी चुने गये विधायक इस्तीफा देते हैं। वह तीनों राज्यों में सरकार नहीं बनायेगी।आप कल्पना नहीं कर सकते हैं कि असली गांधी का युग समाप्त होने के बाद का यह पहला ऐसा सत्याग्रह हो सकता था, जिसकी चर्चा दुनिया भर में होती।

रायपुर दक्षिण में हार के बाद कांग्रेस का बड़ा बयान

» ईवीएम पर संदेह था और रहेगाःदीपक बैज

रायपुर,24 नवम्बर 2024 (ए)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए बड़ा बयान दिया है। हार के बाद मीडिया से चर्चा में बैज ने कहा, ईवीएम पर संदेह था और हमेशा रहेगा।

ईवीएम पर उठाए सवाल

दीपक बैज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस संचार प्रमुख सुनील आनंद शुक्ला और कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा के साथ यह बात कही। ईवीएम की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं इस विषय में अभी विस्तार से कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन वकील भी इस पर संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी इस पर सवाल उठे हैं।

बीजेपी के गढ़ में हार को स्वीकारा

हार पर टिप्पणी करते हुए बैज ने कहा, उपचुनाव में आमतौर पर सरकार ही जीतती है। रायपुर दक्षिण पिछले 34 वर्षों से बीजेपी का गढ़ रहा है। जीतने वालों को मैं बधाई देता हूं।

अन्य चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया

उन्होंने झारखंड में हेमंत सोरेन और वायनाड से प्रियंका गांधी की जीत का जिक्र करते हुए उन्हें बधाई दी। साथ ही महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों और एग्जिट पोल में आए अंतर पर सवाल उठाए।

जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा

दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनता के मुद्दों जैसे वादा खिलाफी, बढ़ते अपराध, कानून व्यवस्था, और धान खरीदी में भेदभाव को लेकर कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी आम जनता के साथ खड़ी रहेगी और उनके हक के लिए लड़ाई लड़ती रहेगी।

रिश्वत लेते पोस्ट ऑफिस के दो अफसरों को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

रायपुर,24 नवम्बर 2024 (ए)। सीबीआई ने बलौदाबाजार जिला के पोस्ट ऑफिस में पदस्थ दो अफसरों को 37 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अफसरों में एक मेल ओवरसियर तथा एक उप-मंडल निरीक्षक (एसडीआईपी) शामिल है। सीबीआई ने दोनों अफसरों के खिलाफ शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

सीबीआई द्वारा जारी बयान के मुताबिक, रिश्वत लेने के आरोप में मेल ओवरसियर राजेश पटेल तथा उप मंडल निरीक्षक विनिता मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अफसरों के खिलाफ 19 नवंबर को देवसुंदरा डाकघर की शाखा डाक अधीक्षक ने शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों पर आरोप है कि 22 अक्टूबर 2024 को देवसुंदरा डाकघर का निरीक्षण करते समय मेल ओवरसियर राजेश पटेल और एसडीआईपी विनीता मानिकपुरी ने शिकायतकर्ता की कुछ त्रुटियां पाई थीं। इन त्रुटियों को दबाने और मामले को रफा-दफा करने के लिए अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से 60 हजार रुपए की मांग की थी।

किस्तों में ले रहे थे रिश्वत की राशि

घूसखोर अफसरों ने शिकायतकर्ता के अनुरोध पर रिश्वत की राशि को किस्तों में देने की अनुमति दी। पहली किस्त देने 40 हजार रुपए तय की गई, जिसमें से 37 हजार रुपए शनिवार को मेल ओवरसियर को देने थे। योजना के अनुसार शिकायतकर्ता पैसे लेकर मेल ओवरसियर के पास गया, जहां सीबीआई ने उसे रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भिलाई में रिटायर्ड सीआईएसएफ जवान के घर में घुसकर जानलेवा हमला

आत्मरक्षा में गोली चलाई; दो गिरफ्तार

भिलाई,24 नवम्बर 2024 (ए)। भिलाई के नेवई थाना क्षेत्र में कल देर रात दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना तब और बढ़ गई जब दो लोगों ने पूर्व सीआईएसएफ जवान राकेश सिंह भदौरिया पर कटर से हमला कर दिया। आत्मरक्षा में भदौरिया ने अपनी रिवॉल्वर से गोली चलाई, जिससे हमलावर मौके से भाग गए। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है।नेवई पुलिस के अनुसार, घटना स्टेशन मरोदा में रहने वाले आदतन अपराधी शंभू और विजय चौधरी से जुड़ी है। 23 नवंबर की दोपहर करीब 2 बजे दोनों ने पुराने शराब डिपो के पास सीआईएसएफ से रिटायर राकेश सिंह भदौरिया से उनकी मोटरसाइकिल उधार मांगी। भदौरिया ने बाइक उधार देने से मना कर दिया।इस बात से गुस्साए शंभू ने विजय के साथ शराब पी और शाम करीब साढ़े चार बजे भदौरिया के घर पहुंचे। इस बार उन्होंने भदौरिया की एक्सयूव्ही 700 की चाबी मांगी। मना करने पर शंभू ने भदौरिया से बहस शुरू कर दी, जिस पर भदौरिया भी भड़क गए। जैसे ही भदौरिया अंदर जाने के लिए मुड़े, शंभू और उनके साथी जबरन घर में घुस आए और उन पर कटर से हमला कर दिया, जिससे उनका चेहरा घायल हो गया। आत्मरक्षा में भदौरिया ने अपनी रिवॉल्वर से गोली चलाई, जिससे हमलावर भाग गए।पुलिस ने स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी, संदिग्धों को पकड़ लिया और अब मामले की आगे की जांच कर रही है।

साय ने नए डीजीपी की नियुक्ति पर दिया बड़ा बयान

रायपुर,24 नवम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव में भाजपा की जीत पर क्षेत्र की जनता को मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन पर विश्वास जताने के धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जितना वोट कांग्रेस नहीं पाई, उतने वोट से बीजेपी जीती है. यह एक बड़ी ही शानदार जीत है। सरकार के सुशासन की जीत है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एनसीसी के 76वां स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा में एनसीसी के स्थापना दिवस पर सभी कैडेट को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात रेडियो कार्यक्रम को लेकर कहा कि उन्होंने डिजिटल अरेस्ट की बात कही. वो कई बातों में लोगों को जागरूक कर रहे हैं. देश को किन बातों में सतर्क रहना चाहिए, इसके अलावा रायपुर दक्षिण उपचुनाव के नतीजों पर भी कहा. वहीं छत्तीसगढ़ में नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर कहा कि समय आने पर यहां भी डीजीपी की नियुक्ति होगी. अभी वर्तमान डीजीपी का कार्यकाल खत्म होने में समय है।

पुलिस ने डॉन बने बदमाश की निकाली हेकड़ी

जगदलपुर,24 नवम्बर 2024 (ए)। जगदलपुर में डॉन बनने की तलब ने एक बदमाश को सलाखों के पीछे डाल दिया है। बताया जा रहा है कि, युवक ने होटल में एक शख्स से दारू मंगवाया। जब उसने मना किया तो चाकू दिखाकर मैं यहां का डॉन हूं कहकर पिटाई कर दी। हालांकि, पुलिस से शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर के रहने वाले राजेश ने पुलिस को बताया कि, एक रेस्टोरेंट के मालिक ने उसे काउंटर पर बैठने के लिए कहा था। उसी समय रात में अमरीश सिंह नाम का एक युवक आया। उसने राजेश को बुलाया। फिर कहा कि तुम अपने पैसे से दारू लेकर आओ। जब राजेश ने मना कर दिया तो गुस्से में उठकर उसने राजेश की पिटाई कर दी।

फिर चाकू निकालकर उसने राजेश को दिखाया। कहा कि मैं यहां का डॉन हूं। मुझे मना करेगा। उसने राजेश को जान से मारने की धमकी फिर फिर मारपीट करने के बाद बदमाश वहां से चला गया। जिसके बाद युवक ने पुलिस थाना में लिखित शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश की। उसे शहर के ही एक ठिकाने से पकड़ा गया। उसके पास से चाकू भी बरामद किया। पुलिस ने बदमाश की सारी हेकड़ी निकाल दी। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। बस्तर एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि, शहर में ऐसे बदमाशों पर तत्काल एक्शन लेकर कार्रवाई की जा रही है। शहर में शांति के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। गुंडे-बदमाशों पर लगाम लगाया जा रहा है।

आईईडी की चपेट में आने से जवान हुआ घायल

रायपुर,24 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। एरिया डॉमिनेशन के लिए दल के साथ निकला डीआरजी का जवान प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से घायल हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार घायल जवान के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार की व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल, जवान की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सुकमा के थाना चिंतलनार क्षेत्रांतर्गत नवीन स्थापित कैम्प रायगुड़ा से डीआरजी का बल एरिया डॉमिनेशन के लिए निकला था। इस दौरान सुबह लगभग 11 बजे रायगुड़ा के जंगल में माओवादियों द्वारा लगाये गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने के कारण आरक्षक पोड़ियाम विनोद घायल हो गया।

एक लड़की के लिए भिड़े 2 लड़के,एक की मौत

खैरागढ़,24 नवम्बर 2024 (ए)। . जिले के साल्हेवारा थाना क्षेत्र के खादी गांव में बीती रात चाकूबाजी की घटना में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस घटना में तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी थी, लेकिन इसके बाद भी आक्रोशित ग्रामीणों ने पूरी रात जम कर बवाल किया. ग्रामीणों ने मृतक के शव को घटना स्थल पर ही रखकर रात भर प्रदर्शन किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला एकतरफा प्यार का है। दोनों युवकों को एक ही युवती से एक तरफा प्यार था, जिसे लेकर यह घटना हुई। बीती रात मृतक धीरज यादव (20 वर्ष) ने आरोपी सीताराम पटेल (19 वर्ष) से मिलकर उसे युवती से छेड़छाड़ करने मना किया तो दोनों के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी सीताराम पटेल ने धीरज पर चाकू गोद कर उसकी हत्या कर दी। इस वारदात

से इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण सड़क पर आ गए और पूरे गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन इस घटना को लेकर गुस्साए ग्रामीणों ने मृतक के शरीर को मौके पर रख कर रात भर प्रदर्शन करते रहे।

दरअसल, आक्रोशित ग्रामीण युवक के हत्यारे को गांव में लाने के लिए पुलिस पर दबाव बना रही थी। गरमाते माहौल को देखते हुए साल्हेवारा पुलिस ने बकरकट्टा और गंडई थाने से पुलिस बल बुलाया और मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों के हाई वोल्टेज ड्रामे के बीच शव का पंचनामा किया और ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला को शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी सीताराम पटेल को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

युवती पर प्राणघातक हमला

चाकू मारकर बदमाश फरार

कोरबा,24 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर में पूजा करने के लिए मंदिर गई युवती पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। युवती ने अपने आप को बचाते हुए चीख-पुकार मचाई, जिस पर युवक फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस की 112 टीम ने घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया।

जानकारी के अनुसार घटना दीपका थाना क्षेत्र के बड़े शिव मंदिर गेवरा ऊर्जा नगर की है। युवती अपने सहेली से साथ शिव मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी। पूजा करने के बाद घर जाने के लिए स्कूटी चालू करते समय दो नकाबपोश युवक पहुंचे और चाकू से हमला करना शुरू कर दिया।

युवती ने इस पर चीख-पुकार मचाना शुरू कर दिया, जिससे युवक मौके से फरार हो गए. घटना के बाद बेहोश हो गई युवती को मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए नेहरू शताब्दी अस्पताल पहुंचाया, जहां युवती का इलाज किया गया। घटना को लेकर दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि पुलिस ने संदिग्धों की पहचान के लिए पूछताछ कर रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)